भीलवाड़ा बुधवार,13,नवम्बर, 2024

RNI NO. RAJHIN/2016/74127

# नमस्ते राजस्थान

वर्ष : 09, अंक: 19 | E-Mail: namasterajasthan11@gmail.com, nrnews100@gmail.com | भीलवाड़ा संस्करण | पृष्ठ 08 मूल्य 4 रुपए | हिन्दी साप्ताहिक समाचार-पत्र | मो. 9214417111, 8005910698

## महिलाओं के लिए सेल्फ डिफेंस,ड्राइविंग के होंगे रजिस्ट्रेशन

# टीना डाबी बोली- सेविंग को बढ़ाने के लिए एक्सपर्ट बताएंगे इन्वेस्टमेंट प्लान

**नमस्ते राजस्थान**

**बाड़मेर** महिलाओं को सशक्त, समाज को सशक्त बनाने का संकल्प के साथ मरू उड़ान प्रोग्राम का आगाज किया गया। इसमें महिलाओं के अनमोल जीवन, हेल्थ, सरकारी स्कीम, कॉमर्शियल ट्रेनिंग मंगलवार को इस अभियान से जुड़े पार्टनर, एनजीओ और जिले के अधिकारियों के साथ मीटिंग की गई। बुधवार को ब्लॉक स्तरीय प्रोग्राम शिव पंचायत समिति में रखा गया है। कलेक्टर ने मीडिया बातचीत में कहा कि कल से शिविर की शुरूआत के साथ मरू उड़ान से सभी पार्टनर और अधिकारी फील्ड में उतर जाएंगे। दरअसल, जिला कलक्टर टीना डाबी की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला परिषद् सभागार में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के लिए गठित जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक में भारत सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यों की समय से पूर्ति और बेहतर प्रदर्शन के लिए चर्चा की गई। कलेक्टर ने कहा बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के तहत निर्धारित पैरामीटर को पूर्ण करते हुए अपने टारगेट को समय से पूरा करना है। जिला कलक्टर की अध्यक्षता में केन्द्र सरकार की बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के तहत सशशक्त नारी, सशक्त समाज के संकल्प के साथ आज से शुरू हो रहे अभिनव अभियान मरू उड़ान की सफलता के लिए सभी स्टेक होल्डर्स के साथ मीटिंग आयोजित की गई। इस मीटिंग मे इस अभियान की नोडल अधिकारी उपवन संरक्षक सविता दहिया, एडीएम राजेन्द्रसिंह चांदावत सहित जिला स्तरीय अधिकारी, स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधि, सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधि, काउंसलर और सहित लोग उपस्थित थे। जिला कलेक्टर टीना डाबी ने कहा- बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ भारत सरकार की महत्वपूर्ण स्कीम है। जिला स्तर इनस्टेटिंव लॉच किया है। सोमवार को महिला एवं बाल विकास के सचिव ने मरू उड़ान इस अभियान के पोस्टर, लोगों और पूरा कलेंडर इवेंट का विमोचन किया है। आज हमारी मंथन बैठक थी जिसमें अभियान के जितने भी पार्टनर, एनजीओ और जिले के अधिकारी इस अभियान से जुड़े है। कल से फील्ड में शिविर लगाए जाएंगे। आज उसकी रूपरेखा और किसकी क्या भागीदारी रहेगी। उस पर चर्चा की गई है। जिला स्तर की टीम फील्ड में जाएगी, उनकी ट्रैनिंग भी करवाई गई है। हम यह चाहते है कि जिले लेवल पर जो प्रोग्राम की क्वालिटी रहती है वहीं ब्लॉक और रुरल एरिया में रहे।

### मरू उड़ान में एग्रीकल्चर को किया शामिल

**कलेक्टर ने कहा कि मंथन बैठक का मकसद भी यही था कि हम किसी चीज को भूल गए है। हमने उसको शामिल नहीं किया। मीटिंग में अच्छे सुझाव भी आए है। जैसे जोधपुर से प्रोफेसर एग्रीकल्चर के आए है। उन्होंने कहा कि एग्रीकल्चर साइसेस को मरू उड़ान में शामिल नहीं किया गया था। बहुत ही महत्वपूर्ण सुझाव था। वास्तव में बाड़मेर में ज्यादातर फैमिली एग्रीकल्चर और पशुपालन से जुडे हुए है। कुछ बच्चियां इस फील्ड में कुछ अच्छा करना चाहते है तो बहुत ही महत्वपूर्ण है। अब हमने उसे भी शामिल कर दिया है।**

### मरू उड़ान के तहत आयोजित होंगे करियर काउंसलिंग,योग,आत्मरक्षा के शिविर

जिला कलक्टर टीना डाबी ने बताया कि जिले में बालिकाओं के बेहतर करियर विकल्प सुझाने के लिए करियर काउंसलिंग शिविर आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान करियर एक्सपर्ट उन्हें करियर विकल्पों के बारे में जानकारी देंगे। इसके साथ ही उन्हें उच्च शिक्षा के लिए उपलब्ध विकल्पों के बारे में भी बताया जाएगा। इसके साथ ही इस अभियान के तहत मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए योग शिविर भी आयोजित किए जाएंगे। जिला कलक्टर ने बताया कि महिलाओं को सेल्फ डिफेंस(आत्मरक्षा) का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। इसके लिए विशेष रूप से एक्सपर्ट को हायर किया जा रहा है।

### गर्ल्स स्कूलों में शौचालय व्यवस्था का आकस्मिक निरीक्षण करेंगे एडीएम

जिला कलक्टर टीना डाबी ने जिले में संचालित सभी सरकारी गर्ल्स स्कूलों में क्रियाशील शौचालयों की आकस्मिक जांच के लिए एडीएम राजेन्द्रसिंह चांदावत को निर्देशित किया गया है। उल्लेखनीय है कि मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी मुरलीधर यादव ने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के तहत गर्ल्स स्कूलों में शत प्रतिशत क्रियाशील शौचालायों की जानकारी जिला कलक्टर को दी। हालांकि उन्होंने इस प्रगति पर संतोष भी व्यक्त किया।

### जिले में संस्थागत प्रसव शत प्रतिशत होना चाहिए

जिला कलक्टर टीना डाबी ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव मित्तल को निर्देशित किया कि जिले में कोई भी प्रसव असुरिक्षत नहीं होना चाहिए। जिले में सभी प्रसव संस्थागत होने चाहिए यह आपके विभाग की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इसके साथ ही उन्होंने जिले में लिंगानुपात पर गहरी चिंता व्यक्त की और बालक-बालिका लिंगानुपात को बढ़ाने पर जोर दिया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि बालिका जन्म की सही तरीके से रिपोर्टिंग भी होनी चाहिए, ताकि सही सूचना का सम्प्रेषण उपर तक हो सके।

### बच्चियों के लिए कैरियर काउंसलिंग

टीना डाबी ने कहा कि बाड़मेर और जैसलमेर में डिफेंस फोर्सेस की अच्छी परजेंशन होती है। आर्मी से जो लोग आए उन्होंने कहा कि आज की बच्चियों में रूचि है कि एयरफोर्स और आर्मी में जाऊं। डिफेंस में जाने के लिए बच्चियों किस तरह से जा सकती है इसको लेकर कैरियर काउंसलिंग रख रहे है।

### महिलाओं को आमदनी बढ़ाने के दिए जाएंगे सुझाव, सिखाएंगे ड्राइविंग

कलेक्टर ने महिलाओं से अपील की है कि यह प्रोग्राम आप सबके लिए है। आपके सशक्तिकरण के लिए है। आप अधिक से अधिक संख्या में आए। बहुत अच्छे इवेंट होने वाले है। जैसे ड्राइविंग नहीं आती है तो ड्राइविंग के लिए रजिस्ट्रेशन करें। सेल्फ डिफेंस वर्कशॉप पर इंटरेस्ट हो तो उसमें आए। हेल्थ से जुड़े हुए है कई प्रोग्राम होने वाल है। जैसे ब्रेस्ट केंसर के बारे में जानकारी दी जाएगी। गृहणियों के पास छोटी-छोटी सेविंग होती है उसको कहां पर इन्वेस्ट करें यह उनको पता नहीं होता है जिससे उनकी आमदनी और बढ़ जाए। इसके लिए स्पेशल सेशन आयोजित किए जाएंगे, जिनमें वित्तीय एक्सपर्ट उन्हें इन्वेस्टमेंट प्लान की जानकारी देंगे। ज्यादा से ज्यादा महिला जुड़े, और उनको सरकारी स्कीम से भी लाभांवित करें।

## बाड़मेर मेडिकल कॉलेज में रैगिंग,8 छात्र सस्पेंड

# 6 छात्राएं भी थीं शामिल,गलती मानने पर चेतावनी पत्र दिया

**नमस्ते राजस्थान**

**बाड़मेर** बाड़मेर गर्वनमेंट मेडिकल कॉलेज में अलग-अलग रैगिंग मामले में 14 मेडिकल छात्रों के खिलाफ कार्रवाई की गई हैं। इसमें 8 छात्रों को हॉस्टल से सस्पेंड कर किया गया। वहीं 6 छात्राओं की ओर से गलती मानने पर उन्हें चेतावनी पत्र दिया गया। कॉलेज की एंटी रैगिंग कमेटी की सोमवार को हुई मीटिंग में सभी पीड़ित और आरोपियों का पक्ष सुना गया। इसके बाद कमेटी सदस्यों से चर्चा कर सहमति से निर्णय लिया गया। एंटी रैगिंग कमेटी के को-चेयरमैन व जिला अस्पताल के अधीक्षक डॉ. बी.एल. मंसूरिया ने बताया- वॉट्सऐप पर शिकायत मिली थी। सोमवार को रैगिंग कमेटी की मीटिंग में वन बाय वन बच्चों से पूछताछ की गई। इसके बाद हॉस्टल के 8 छात्रों को कॉलेज से निष्कासित किया है। जिसमें 6 छात्रों को 15 दिन व 2 छात्रों को 2 महीनों के लिए हॉस्टल से निकाला गया हैं। वहीं रैगिंग मामले में सभी 6 छात्राओं को चेतावनी पत्र दिया है।

### पहली बार मिली शिकायत

पीएमओ मंसूरिया ने बताया कि फर्स्ट ईयर के स्टूडेंट्स जो अभी नए एडमिशन हुए है उनकी ओर से सोशल मीडिया पर शिकायत की गई थी। जिन पर आरोप लगे है वो सेकेंड ईयर के स्टूडेंट है। पहले इस तरह की कोई शिकायत नहीं मिली है। मंसूरिया का कहना है कि अभी तक स्टूडेंट्स क्या रैगिंग की है, इसके बारे में वो बता नहीं पा रहे है। कमेटी आज फिर से बयान ले रही है।

### 8 छात्रों को हॉस्टल से निकाला

कमेटी की मीटिंग में रैगिंग के मामले में 2 छात्रों को 2 माह के लिए और 6 को 15 दिन के लिए कॉलेज के हॉस्टल से निष्कासित किया है। वहीं इससे पहले उनका पक्ष सुना गया और कमेटी ने उन्हे रैगिंग में शामिल होना बताया। कमेटी ने बताया कि उनके पास पूरे मामले के वीडियो और फोटो भी है, जो उनके खिलाफ सबूत है। वहीं पीड़ित छात्रों ने उनके नाम बताए है। इसके बाद भी 2 छात्र अपनी बात पर अड़े रहे कि उन्होंने रैगिंग नहीं की। इस पर कमेटी ने निर्णय लेते हुए दोनों को 2 महीनों के हॉस्टल से निकाल दिया। इस तरह रैगिंग करने के दूसरे मामले में 6 छात्रों को 15 दिनों के हॉस्टल से निष्कासित किया है। इन छात्रों ने भी रैगिंग के आरोप नकार दिए। इस मामले में भी पीड़ित छात्रों ने सभी सीनियर छात्रों के नाम कमेटी को लिखकर दिए थे।

### आज हो सकती है और सख्त कार्रवाई

कमेटी की जानकारी यह भी आया है कि रैगिंग मामले में कुछ और स्टूडेंट्स भी शामिल है। जिनके खिलाफ भी कार्रवाई को लेकर मंगलवार को मीटिंग होगी। इस मीटिंग में सोमवार को लिए गए निर्णय पर विचार होगा। जिसमें रैगिंग करने वाले छात्र-छात्राओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई को लेकर निर्णय हो सकता है। कॉलेज में सोमवार की बैठक में कमेटी को-चेयरमैन व अधीक्षक डॉ.बीएल मंसूरिया, संयोजक डॉ. दिनेश परमार, डॉ. अरविंद चंदौरा, डॉ. कुशल भरंग, डॉ. अभिजीत जोशी, डॉ. एमएल खत्री, डॉ. दीपक तंवर, डॉ. महावीर चोयल, डा. ज्योति पांडे, डॉ. अरुण डी राणा सहित सदस्य मौजूद रहे।

### जूनियर और फ्रेशर्स के साथ रैगिंग

*कॉलेज प्रबंधन को सीनियर स्टूडेंट्स की ओर से जूनियर और फ्रेशर्स के साथ रैगिंग करने की शिकायतें लगातार मिल रही थी। लेकिन पुख्ता कुछ नहीं मिलने और किसी का नाम सामने नहीं आ रहा था। पीड़ित भी नाम बताते से हिचकिचा रहे थे। इस बीच कुछ पीड़ितों स्टूडेंट्स की ओर से रैगिंग करने वाले छात्रों के नाम कमेटी सदस्यों के सोशल मीडिया ग्रुप में उजागर करने के बाद मीटिंग बुलाकर कार्रवाई को लेकर निर्णय लिया गया।*

### गर्ल्स हॉस्टल में बुलाकर की रैगिंग

*सीनियर छात्राओं के एक ग्रुप ने जूनियर को गर्ल्स हॉस्टल में बुलाकर रैगिंग की। जब पीड़ित छात्राओं से कमेटी की ओर से पूछा गया, तो पहले तो छात्राओं ने नाम बताने से इनकार कर दिया। यह भी बताया कि सीनियर छात्राओं ने धमकी दी है कि उन्हें कॉलेज के कल्चरल इवेंट सहित अन्य प्रोग्रामों में शामिल नहीं होने दिया जाएगा। इसके बाद कमेटी ने जब आश्वस्त किया तो पीड़ित छात्राएं सहज हुई और बोलने की बजाय सादे पेपर पर रैगिंग करने वाली छात्राओं के नाम लिखकर दिए। इस बीच अपनी बात रखने के दौरान एक-दो छात्राएं रो पड़ी। इस मामले में रैगिंग करने वाली छात्राओं को कमेटी ने बुलाया और पूछा तो काफी देर तक तो सभी 6 छात्राओं ने रैगिंग से मना कर दिया। जब उन्हें सख्त कार्रवाई करने की बात कही तो उन्होंने माना कि गर्ल्स हॉस्टल में फोन करके कुछ छात्राओं को अपने ब्लॉक में बुलाया था। इस मामले में कमेटी की ओर से सभी 6 छात्राओं को चेतावनी पत्र दिया गया है।*

*20 लाख की नशे की खेप पकड़ी:*

### नाकाबंदी तोड़कर भागे बदमाश, लग्जरी कार से 306 किलो डोडा चूरा बरामद

**कोटा**

*ग्रामीण पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। कनवास पुलिस लग्जरी कार से डोडाचुरा बरामद किया है। जिसकी बाजार कीमत 20 लाख रूपए के आसपास बताई गई है। नशे की ये खेप झालावाड़ की तरफ से कोटा की तरफ लाई जा रही थी। रास्ते में पुलिस को देखकर आरोपी तस्कर नाकाबंदी तोड़कर भागे। फिर बीच में गाड़ी छोड़कर फरार हो गए। डीएसपी सांगोद वृत अभय कुमार ने बताया कि बीती रात को एनएच 52 दरा कनवास रोड़ पर नाकाबंदी के दौरान पुलिस की टीमें आने जाने वाले वाहनों की चेकिंग कर रही थी। उसी दौरान दरा की तरफ से एक वह 500 कार आती हुई दिखाई दी। जिसे मौके पर मौजूद पुलिस जवानों ने रुकवाने की कोशिश की। पुलिस को देखकर आरोपियों ने कार को दौड़ाया। नाकाबंदी तोड़ते हुए आगे निकल गए। पुलिस की टीम ने पीछा किया।*

### 11वीं के स्टूडेंट के पास नोट गिनने की मशीन मिली:

# लग्जरी कार में स्कूल जाता फिर छिपा देता; मौज-शौक में 20 लाख खर्च कर चुका

नमस्ते राजस्थान

**अजमेर** इन्वेस्टमेंट स्कीम के जरिए लोगों को ठगने वाले 11वीं के स्टूडेंट्स से पूछताछ के आधार पर कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। वह लग्जरी कार में स्कूल जाता था और घर लौटने से पहले उसे छिपा देता। जिसकी शिकायत टीचर्स ने उसके पिता से की थी। पूछताछ में अब तक 80 लाख की ठगी का खुलासा हुआ है। जिसमें से 20 लाख तो 19 साल का ठग अपनी लग्जरी लाइफ पर खर्च कर चुका है। पुलिस ने उसके पास से रुपए गिनने की मशीन भी बरामद की है। मामला अजमेर के साइबर थाने का है। सोमवार को पुलिस ने नसीराबाद निवासी कासिफ मिर्जा (19) को गिरफ्तार कर 2 दिन की रिमांड पर लिया था।

लग्जरी कार, 1 आईफोन, लैपटॉप और मॉनिटर बरामद किए गए हैं। वहीं एक नोट गिनने की मशीन भी बरामद की है।

## 2 महिलाओं की शिकायत पर हुआ मामले का खुलासा

रक मनीष चारण ने बताया- ठगी का शिकार उषा राठौड़ और माला पथरिया ने नसीराबाद के सिटी थाने में 21 मार्च 2024 को मामला दर्ज करवाया था। आरोपी सोशल मीडिया यूजर्स को मुनाफे का लालच देकर इन्वेस्टमेंट स्कीम बताता था। इन्वेस्टमेंट के बाद मुनाफे का लालच देकर आरोपी ने 2 महिलाओं से करीब 42 लाख रुपए ठग लिए। उसने इन्वेस्टमेंट से जुड़ी ऐसी स्कीम बताई थी, जिसमें कम समय में ज्यादा प्रॉफिट की बात कही। आरोपी के पास एक

## 4000 से शुरू किया था ठगी का खेल

साइबर थाने के रक मनीष चारण ने बताया- कासिफ के 5 अलग-अलग बैंकों के अकाउंट में मिले हैं। एक अकाउंट में करीब 42 लाख का ट्रांजैक्शन भी मिला है। बाकी के अकाउंट्स के ट्रांजैक्शन की जांच की जा रही है। पूछताछ में सामने आया कि अक्टूबर 2023 में आरोपी ने अपने अन्य 2 दोस्तों के साथ मिलकर लक्ष्मी इन्वेस्टमेंट के नाम से एक संस्था बनाई थी। सबसे पहले 4000 रुपए से स्कीम में को शुरू किया था। धीरे-धीरे लोगों को झांसे में लेकर स्कीम में प्लान को बढ़ाते गए। जैसे-जैसे लोग इस स्कीम से जुड़ते जा रहे थे। वैसे-वैसे स्कीम में रुपए भी ज्यादा इन्वेस्ट करवाए जा रहे थे। वर्तमान में 1 लाख तक का इन्वेस्टमेंट किया जा रहा था। जैसे ही ठगी की रकम इनके एकाउंट्स में बढ़ी तो लोगों को पैसा देना बंद कर दिया। हाई प्रोफाइल जिंदगी जीने के लिए इस तरह का प्लान बनाया था।

## 19 साल का लड़का 20 लाख खर्च कर चुका

पुलिस ने कासिफ के अकाउंट खंगाले तो सामने आया कि वह अब तक 20 लाख रुपए खर्च कर चुका है। हर महीने दो-तीन बार अजमेर और पुष्कर के लग्जरी होटल में जाकर रुकता था। इसके साथ ही हर हफ्ते ब्रांडेड कपड़े भी खरीदता था। पुलिस पूछताछ में यह भी सामने आया कि आरोपी लोगों को 24 से 28 दिन में पैसा डबल करने का झांसा देते थे। जब यह स्कीम शुरू की तब शुरूआत में लोगों को पैसा भी दिया जाता था। जिससे कि लोग इस स्कीम के झांसे में आ सकें। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि अधिकतर लोगों में आरोपी के दूर के रिश्तेदार शामिल है। नसीराबाद के लोगों को ही अधिकतर शिकार बनाया गया है। पूछताछ में सामने आया कि कासिफ सोशल मीडिया के जरिए शिकार ढूंढ़ता था। उसका काम था कि वॉट्सऐप और इंस्टाग्राम के जरिए अधिक से अधिक लोगों तक इस ठगी की स्कीम को पहुंचाया जा सके। उसका काम सोशल मीडिया पर प्रचार-प्रसार करना और अमाउंट का ट्रांजैक्शन करना था। फिलहाल पुलिस इस पॉइंट को लेकर कासिफ से पूछताछ कर रही है।

### पिता बोले- असली ठग कोई और बेटे को मोहरा बना रहे

कासिफ के पिता परवेज मिर्जा बताते हैं- उन्हें इस पूरे घटनाक्रम के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। बेटा अपने दोस्तों के साथ मिलकर क्या कर रहा था इसके बारे में उन्हें कुछ नहीं पता था। पिता ने कहा कि उसके दोस्त के पिता से उन्हें इस यह स्कीम के बारे में जानकारी मिली। मुझे केवल इतना मालूम है कि कासिफ सोशल मीडिया पर रील्स बनाता था। उसके फॉलोअर्स ज्यादा होने के कारण उसे इस केस में फंसाया जा रहा है।
पिता ने यह भी बताया कि कुछ समय पहले उन्हें कासिफ की स्कूल से लग्जरी गाड़ी के बारे में पता चला था। उसके स्कूल टीचर्स ने कॉल कर बताया था कि बेटा कार लेकर स्कूल आया है। इसके बाद यह मालूम चला कि ये लोग कार को कहीं छिपा देते थे। इसमें अन्य लोग भी शामिल हैं मेरे बेटे को मोहरा बनाया जा रहा है। कासिफ साइंस मैथ्स का स्टूडेंट्स हैं, उसके पिता ट्रक में लगने वाले ट्रेलर की लोहे की बॉडी बनाने का काम करते हैं।

### ये था स्कीम में शामिल होने का मेन्यू कार्ड

पूछताछ में सामने आया- शुरूआत में 3,999 रुपए 4 सप्ताह तक जमा करवाने पर मैच्योर राशि 2,200 रुपए लाभ के साथ 6,199 रुपए की स्कीम चलाई थी। इसके अलावा 9,999 रुपए के 6 सप्ताह में 15,499, 19,999 के 8 सप्ताह में 29,999 रुपए, 99,999 के 13 सप्ताह में 1,39,999 रुपए और 1,99,999 के 16 सप्ताह में 2,79,999 रुपए लौटाने जैसी स्कीमों का झांसा दिया था।

# पशु परिचर परीक्षा में एक पारी में ही लगाई जाए ड्यूटी

### शिक्षक संघ (सियाराम) ने दिया जिला कलेक्टर को ज्ञापन

नमस्ते राजस्थान

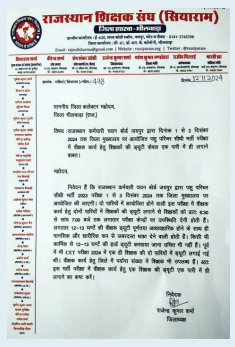

**भीलवाड़ा** कर्मचारी चयन बोर्ड जयपुर द्वारा 1 से 3 दिसंबर तक जिला मुख्यालय पर दो पारियों में आयोजित होने वाली पशु परिचर परीक्षा में वीक्षण कार्य हेतु शिक्षकों की ड्यूटी एक पारी में ही लगाने की मांग को लेकर राजस्थान शिक्षक संघ (सियाराम) के पदाधिकारियों ने जिला कलेक्टर नमित मेहता से भेंट कर ज्ञापन दिया। संगठन के जिला मंत्री महेश मंडोवरा ने बताया दो पारी में वीक्षक ड्यूटी लगाने से शिक्षकों को प्रातः 6:30 बजे से सांय 7:00 बजे तक परीक्षा केंद्रों पर लगातार उपस्थिति देनी होती है । लगातार 12- 13 घंटे की वीक्षक ड्यूटी अव्यावहारिक होने के साथ ही मानसिक और शारीरिक रूप से थका देने वाली होती है । पूर्व में भी उएळ परीक्षा 2024 में एक ही शिक्षक की दो पारियों में ड्यूटी लगाई गई थी।वीक्षण कार्य हेतु शिक्षकों की ड्यूटी एक पारी में ही लगाने के लिए संगठन के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र शर्मा के नेतृत्व में जिलाध्यक्ष राजेंद्र कुमार शर्मा एवं सभाध्यक्ष शिवराज झंवर ने जिला कलेक्टर व अतिरिक्त जिला कलेक्टर से भेंट कर ज्ञापन दिया व वीक्षण कार्य हेतु शिक्षकों की ड्यूटी एक पारी में ही लगाने की मांग की।

### (भीलवाड़ा जिले में पहली बार)

भ्रष्टाचार निरोधक विभाग कार्यालय प्रथम सुखाडिया सर्कल से डिवाइ एसपी साहब पारस पवार द्वारा वन्य जीव रक्षक कुलदीप सिंह राणावत को फोन पर सूचना मिली हमारे कार्यालय परिसर में कोई सांप है इस पर कार्यालय पहुंच के वन्य जीव बचाव रक्षक दल टीम ने सर्च किया तो पानी के टैंक में एक साथ चार सांप दिखाई दिए इसमें से एक कोबरा काला सांप एक. कॉमन करेत साइलेंट किलर. और दो इंडियन रेट स्नेक सांपों को सुरक्षित पानी के बने होज में से निकालते हुए भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो कार्यालय के सभी कर्मचारियों को भय मुक्त किया गया. इस रेस्क्यूऑपरेशन में पूर्व वनपाल छोटू लाल कोली वन्य जीव रक्षक कुलदीप सिंह राणावत प्रकृति प्रेमी नारायण भदाला एडवोकेट हेमेंद्र नागोरा और पूरी वाइल्ड एनिमल रेस्क्यू सेंटर टीम का सहयोग रहा रेस्क्यू के बाद में सभी सांपों को सुरक्षित प्रकृति प्रवेश में क्षेत्रीय वन अधिकारी भीलवाड़ा प्रशांत भट्ट के निदेर्शानुसार वन विभाग के जंगलात में खुले में विचरण करने के लिए छोड़ दिया गया.

### पति का निधन, खबर सुनकर पत्नी ने भी तोड़ा दमः

# रात को अचानक बिगड़ गई थी तबीयत; एक ही चिता पर हुआ अंतिम संस्कार

नमस्ते राजस्थान

**नवलगढ** झुंझुनूं में पति की मौत की खबर सुनकर पत्नी ने एक मिनट बाद ही दम तोड़ दिया। इसके बाद एक ही चिता पर दोनों का अंतिम संस्कार किया गया। दरअसल, नवलगढ़ क्षेत्र के बुगाला गांव में रविवार रात 10:15 मिनट पर बुजुर्ग ने अंतिम सांस ली थी। यह खबर सुनते ही पत्नी की भी सांसें थम गईं। जसवंत ने बताया- रविवार रात 10:15 बजे पिता फूलचंद बधालिया (65) का निधन हो गया। यह बात जब मां लिछमा देवी (64) को पता चली तो सदमे में उन्होंने ने भी दम तोड़ दिया। उनका विवाह 45 साल पहले हुआ था।

#### एक ही अर्थी पर निकाली अंतिम यात्रा

जसवंत ने बताया-रविवार की रात पिता को खाना खिलाने के बाद मां और छोटी बहन सुनीता को खाना खाने भेज दिया था। इस दौरान अचानक पिता की तबीयत बिगड़ गई थी। जब मां खाना खाकर लौटीं तब तक पिता का निधन हो चुका था। इस खबर को सुनते ही मां बेसुध हो गईं और उनका भी निधन हो गया। एक महीने से पिता को अस्थमा की समस्या थी। मां को करीब 3 साल पहले दिल का दौरा पड़ा था। सोमवार सुबह एक ही अर्थी पर गांव में उनकी अंतिम यात्रा निकाली गई। इसके बाद एक ही चिता पर दोनों की अंत्येष्टि की गई। जसवंत ने बताया कि वह अपने परिवार का इकलौता बेटा है और खेती करता है । उसकी चार बहनें संतोष, नानची, सरोज और सुनीता हैं, जिनकी शादी हो चुकी है। उसके पिता फूलचंद 2019 में जलदाय विभाग से हेल्पर के पद से रिटायर हुए थे। तब से वे घर ही रहते थे। जसवंत की चार बेटी एकता, अलिसा, पंकज कुमारी, ऐश्वर्या और एक बेटा रविंद्र हैं।

### देसी रिवाल्वर और कारतूस के साथ 2 पकड़ेः

# सदर थाना पुलिस और डीएसटी की कार्रवाई, वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे

**सीकर** सीकर की सदर थाना पुलिस व जिला स्पेशल टीम ने कार्रवाई करते हुए देसी रिवाल्वर व जिंदा कारतूस के साथ 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने वाले थे। इससे पहले ही पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। सीआई इंद्राज मरोडिया ने जानकारी देते हुए बताया- पुलिस टीम को सूचना मिली थी कि बाइक पर सवार दो शख्स जो सांवली सर्किल से हर्ष की तरफ जा रहे हैं। उन दोनों के पास हथियार हैं। सूचना मिलने पर डीएसटी टीम व सदर थाना पुलिस हर्ष तिराहा पर पहुंची। इस दौरान पुलिस को हर्ष गांव की ओर बाइक पर जाते हुए दो युवक दिखाई दिए। पुलिस ने दोनों युवकों को रुकवा कर उनकी तलाशी ली तो उनके कब्जे से एक देसी रिवाल्वर व दो जिंदा कारतूस बरामद हुए।

# खाटूधाम में लाखों भक्त पहुंचे, जन्मोत्सव पर आतिशबाजी:ग्रीन और गोल्डन थीम पर सजा बाबा श्याम का दरबार; श्रद्धालु केक लेकर लाइनों में लगे

नमस्ते राजस्थान

**सीकर** सीकर की खाटू नगरी में विराजे बाबा श्याम का आज जन्मोत्सव है। देश-दुनिया से खाटू पहुंच रहे करीब 5 लाख भक्त दिनभर में बाबा का दर्शन करेंगे। मंदिर परिसर को ग्रीन और गोल्डन थीम पर सजाया गया है। कोलकाता के 30 फूलों के कारीगरों ने मंदिर के भीतर अलग-अलग डिजाइन तैयार किए हैं। जन्मोत्सव के मौके पर श्रद्धालुओं का पहुंचना एक दिन पहले ही शुरू हो गया था। सोमवार रातभर खाटूनगरी बाबा के जयकारों से गूंजती रही। खाटू के तोरण द्वार पर देर रात करीब दो घंटे तक आतिशबाजी भी की गई। हालांकि, मंदिर कमेटी ने भक्तों से आतिशबाजी नहीं करने की अपील की है। वहीं, बाबा के दर्शनों के लिए देर रात से भक्त लाइनों में लगे हैं। बाबा को जन्मोत्सव की बधाई देने के लिए कई श्रद्धालु मावे का केक भी बनाकर लाए हैं।

**श्रीनाथजी की तर्ज पर सजाटव, 56 भोग का प्रसाद**

खाटूश्याम मंदिर के मुख्य द्वार को श्रीनाथजी की थीम पर सजाया गया है। जन्मोत्सव के मौके पर मंगलवार शाम को विशेष प्रकार का 56 भोग बाबा को अर्पण किया जाएगा। वहीं, खाटूनरेश के दर्शन आज रात 10 बजे तक लगातार होंगे। मंदिर प्रशासन ने भक्तों की भीड़ को देखते हुए विशेष इंतजाम किए हैं। दर्शनों के लिए कुल 14 लाइन चालू हैं। जिसमें 10 लाइन तो 75 फीट ग्राउंड से सीधे मंदिर की तरफ लाती हैं। अन्य 4 लाइन मंदिर के मुख्य द्वार की तरफ से हैं।

### जयपुर में चाबी बनाने के बहाने 20 लाख की चोरी:

# घर में बुलाकर अलमारी का लॉक खोलने को कहा था,गहने लेकर चला गया

नमस्ते राजस्थान

**जयपुर** जयपुर में चाबी बनाने के बहाने घर में आया युवक 20 लाख रुपए के गहने चोरी कर ले गया। चौंकाने वाली बात यह है कि वह पीड़ित के सामने गहने लेकर चला गया। पीड़ित ने बदमाश का स्कूटी से पीछा किया, लेकिन वह नहीं मिला। पूरा घटनाक्रम कॉलोनी में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। घटना जवाहर नगर सेक्टर 6 की है। पीड़ित की शिकायत पर जवाहर नगर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित ललित शर्मा (55) ने बताया- सोमवार दोपहर करीब सवा बजे एक व्यक्ति साइकिल पर चाबी बनवाने के लिए आवाज लगा रहा था। उस दौरान मैं कॉलोनी में घर के बाहर खड़े होकर ठेले से सब्जी खरीद रहा था। पूछने के बाद चोर को अलमारी की चाबी बनाने के लिए अपने घर के अंदर लेकर गया। वह लोहे

की अलमारी की चाबी बनाने लग गया।

### अलमारी में चाबी नहीं लगने का नाटक किया

चोर ने आधे घंटे तक कोशिश की, लेकिन अलमारी की चाबी तैयार नहीं हो पाई। इसके बाद आरोपी ने पीड़ित ललित शर्मा को तेल लाने के लिए कहा। ललित तेल लेने के लिए किचन में चला गया। वह तेल लेकर कमरे में आया तो चाबी बनाने वाला थैला और एक पॉलिथिन लेकर कमरे से भागने लगा। पीड़ित ने पूछा- क्या हुआ तो आरोपी बोला अभी आता हूं। पीड़ित ने देखा तो अलमारी खुली थी। लॉकर में रखा हुआ सारा सामान गायब था। ललित चाबी बनाने वाले चोर के पीछे स्कूटी लेकर निकला, लेकिन आरोपी नजरों से गायब हो गया। इसके बाद पीड़ित ने जवाहर नगर थाने में बदमाश के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पीड़ित ने शिकायत में पुलिस को बताया- चोर अलमारी में रखा हुआ सोने का बड़ा हार, कानों के दो बड़े झूमर, एक मंगल सूत्र, कानों के दो जोड़ी बड़े टॉप्स, सोने की छह चूड़ियां, सोने की छह-सात अंगूठियां, सोने की दो लटकन, चांदी की 10-12 पायल की जोड़ी ले गया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

### अकेला रहता है पीड़ित

पीड़ित ललित शर्मा घर पर अकेले रहते हैं। प्राइवेट जॉब करते हैं। सब्जी खरीदने के लिए घर के बाहर खड़े थे। घटना के बाद पीड़ित अपनी स्कूटी से करीब 7 किलोमीटर आसपास के इलाकों में घूमा, लेकिन आरोपी नहीं मिला। जवाहर नगर थाना के सीआई शेषनारायण ने बताया- घटना की जानकारी मिलते ही पीसीआर और थाना स्टाफ को मौके पर भेज दिया गया था। संदिग्ध की तलाश की जा रही है।

### हाईकोर्ट ने सरकार पर लगाया 1 लाख का जुमार्ना-सीएस तलब:

# अदालती आदेश की 9 साल में नहीं हुई पालना,सुनवाई के दौरान सरकारी वकील भी नहीं था मौजूद

नमस्ते राजस्थान

**जयपुर** सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए करीब 9 साल पहले दिए गए हाई कोर्ट के दिशा निदेर्शों की पूरी तरह से पालना नहीं होने और सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से वकील और किसी अन्य प्रतिनिधि के उपस्थित नहीं होने से हाई कोर्ट नाराज हो गया। जस्टिस अशोक कुमार जैन की अदालत ने सरकार के इस रवैए से नाराज होते हुए सरकार पर 1 लाख रुपए का जुमार्ना लगा दिया। वहीं स्पष्टीकरण देने के लिए 27 नवम्बर को मुख्य सचिव सुधांश पंत को व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में हाजिर होने का आदेश दिया हैं। कोर्ट ने सरकार को निर्देश दिए है कि एक लाख रुपए का हजार्ना

राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण में जमा करवाएं।

**सरकार गंभीर मुद्दों का समाधान खोजने में विफल**

हाई कोर्ट ने मामले में टिप्पणी करते हुए कहा कि लगता है सरकार सड़क दुर्घटना जैसे गंभीर मुद्दों का समाधान खोजने में विफल रही है, लेकिन ऐसे में सरकार पर हजार्ना लगाकर सुनवाई टालना उचित होगा। जस्टिस अशोक कुमार जैन ने भरपाई व अन्य की 21 साल से लंबित अपील पर सुनवाई के दौरान यह आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि 7 मई 2015 को जयपुर में फ्लाई ओवर एवं सड़कों को चौड़ा करवाने, मुख्य चौराहों एवं तिराहों के विकास, चारदीवारी क्षेत्र में पब्लिक ट्रांसपोर्ट व्यवस्था में सुधार व पार्किंग पर पाबंदी, सड़कों से अतिक्रमण हटाने और प्रदूषण रोकने के प्रभावी कदम उठाने जैसे 25 बिन्दुओं को लेकर विस्तृत दिशा निर्देश दिए। कोर्ट ने इन निदेर्शों की ओर सरकार का ध्यान दिलाते हुए कहा कि इस मामले में कोर्ट के निर्देश पर मई 2015 से लेकर सितम्बर 2022 तक महाधिवक्ता पैरवी के लिए हाजिर होते रहे। लेकिन फरवरी 2024 में कोई हाजिर नहीं हुआ और मार्च में फिर महाधिवक्ता हाजिर हुए। इसके बाद दो तारीखों पर अतिरिक्त महाधिवक्ता भरत व्यास पैरवी के लिए मौजूद रहे, लेकिन अब फिर से कोई नहीं आया। कोर्ट ने इन स्थितियों का हवाला देकर कहा कि कोर्ट के 9 साल पुराने निदेर्शों की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है, जो गंभीर है। इस मामले में राज्य सरकार की लापरवाही पर जवाब देने के लिए सीएस को बुलाया जाना जरूरी है।

### 15 बाघों के गायब होने पर टाइगर वॉच का खुलासाः

# बुढ़ापा,बिगड़ी तबीयत,टेरिटोरियल फाइट और मानव जनित कारण गिनाए

नमस्ते राजस्थान

**सवाई माधोपुर** रणथंभौर टाइगर रिजर्व से गायब बाघ-बाघिन और शावकों का मुद्दा फिलहाल सुर्खियों में है। इसको लेकर मचा हो-हल्ला थमता हुआ नहीं दिख रहा है। इसी बीच अब टाइगर वॉच संस्था ने 15 बाघों के गायब होने को लेकर बड़ा खुलासा किया है। टाइगर वॉच संस्था ने रणथंभौर से बाघों के गायब होने के कारणों में बढ़ती आयु, स्वास्थ्य समस्याएं, टेरिटोरियल फाइट (क्षेत्रीय संघर्ष) और अन्य मानव जनित कारण बताए हैं।

### वन विभाग के पास कोई जवाब नहीं

रणथंभौर से गायब बाघ बाघिनों और शावकों के मामले में चीफ वाइल्ड लाइफ वार्डन (उहछह) पवन कुमार उपाध्याय ने एक कमेटी का भी गठन किया है। 4 नवंबर को इस कमेटी के गठन होने के बाद वन विभाग ने 6 नवंबर को 10 बाघों की उपस्थिति तथ्यात्मक रूप से जारी कर दी, लेकिन 15 बाघ-बाघिन और शावकों के बारे में वन विभाग के पास अभी भी कोई जवाब नहीं है। फिलहाल कमेटी गायब बाघ-बाघिन और शावकों के रिकार्ड खंगाल कर रही है, लेकिन इससे पहले रणथंभौर में पिछले कई वर्षों से काम कर रही संस्था टाइगर वॉच ने 15 बाघों के गायब होने को लेकर बड़ा खुलासा किया है।

### टाइगर वॉच ने प्रस्तुत किया विश्लेषण

रणथंभौर नेशनल पार्क से 15 टाइगर गायब है। इसके बारे में टाइगर वॉच ने अपना एक विश्लेषण प्रस्तुत किया है। टाइगर वॉच के फील्ड बॉयोलोजिस्ट डॉ. धर्मेन्द्र खांडल ने 15 बाघ-बाघिन और शावकों के गायब होने के संभावित कारण कुछ इस तरह से बताए है।

### 15 लापता बाघों में से 5 बेहद बुजुर्ग

टाइगर वॉच के फील्ड बॉयोलॉजिस्ट डॉ. धर्मेन्द्र खांडल ने बताया कि इन बाघों में 5 टाइगर ळ-3, ळ-13, ळ-38, ळ-41, और ळ-48 की उम्र 15 साल से ऊपर के हैं। वहीं कुछ बाघ जिनकी उम्र 19-20 साल तक पहुंच चुकी है। बाघ ळ-54 और ळ-63 की उम्र 13-14 साल हैं और संभवतः अपने प्राकृतिक रूप से जीवन के अंतिम दौर के करीब हैं। मादा बाघ ळ-99 को फरवरी 2024 में गर्भावस्था में जटिलताएं आई थी, जिससे उनका गर्भपात हो गया था। उसे व्यापक चिकित्सा देखभाल दी गई थी और वो जीवित रही थी। हाल ही में रिपोर्ट आई थी कि वो फिर से गर्भवती हो सकती हैं, हालांकि यह पुष्टि नहीं हो पाई है। संभव है कि इसी प्रकार की जटिलताएं फिर से उत्पन्न हुई हो, जिसके कारण उसकी वर्तमान स्थिति समझी जा सकती है। बाघ ळ-74, जो 12 साल से अधिक उम्र का है, को डोमिनेंट (जिसकी टेरेटरी विकसित हो गई) बाघ ळ-121 और ळ-112 द्वारा उनके क्षेत्र से बाहर किया गया था।

### बाघिन T-79 अजीब परिस्थितियों में गायब हुई

खांडल ने बताया कि बाघिन ळ-79 अजीब परिस्थितियों में गायब हो गई। जिसके बाद वन विभाग ने उसकी खोज शुरू की और उसके 2 शावकों को पाया। वह रणथम्भौर के बाहर कंडुली नदी क्षेत्र में रहती थी और ऐसी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में उसका अब तक जीवित रहना आश्चर्यजनक था।

### 5 युवा बाघ गायब

रणथम्भौर के नर बाघों को टेरोटोरियल फाइट का सामना करना पड़ता है, जो अक्सर घातक मुठभेड़ों की ओर ले जाता है। जिनमें जो बाघ ज्यादा ताकतवर होता है वो ही जिंदा रहता हैं। टाइगर वॉच के विस्तृत विश्लेषण के अनुसार, युवा नर बाघों जैसे T-128, T-131, T-139, और T-2401 को अक्सर टेरेटरी की तलाश करते हुए देखा गया था। प्रमुख बाघों के साथ टेरोटोरियल फाइट के बाद गायब होने का एक संभावित कारण हो सकता है। बाघिन ळ-138 का गायब होना चिंता का विषय है और 15 लापता बाघों में से इस सब एडल्ड बाघिन की अनुपस्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है।

### युवा बाघ हो सकते है संघर्षों का शिकार

युवा बाघ स्थानीय समुदायों के साथ संघर्षों का शिकार भी हो सकते हैं। जैसे कि जहर देना या अन्य मानव जनित खतरों का सामना करना। क्षेत्र में पहले की घटनाएं, जैसे कि ळ-114 और उसकी शावक, ळ-57 की जहर से मौत, मानव-बाघ संघर्ष के जोखिम को स्पष्ट रूप से दशार्ती हैं। रणथंभौर से बाघों के गायब होने के कारणों में बढ़ती आयु, स्वास्थ्य समस्याएं, क्षेत्रीय संघर्ष और अन्य मानव जनित कारण शामिल हैं।

### स्वाभाविक रूप से हो सकती है बाघों की मौत

बॉयोलॉजिस्ट खांडल ने बताया कि उम्रदराज बाघ, जैसे ळ-3, ळ-13, ळ-38, ळ-41, और ळ-48, अपनी उम्र के कारण स्वाभाविक रूप से मर सकते हैं। हालांकि वन विभाग को इनके शव नहीं मिले हैं, लेकिन बाघ सामान्यतः 15 साल तक जीवित रहते हैं और उसके बाद उनका जीवित रहना मुश्किल हो जाता है। 15 साल की उम्र के बाद, उन्हें स्वास्थ्य और क्षेत्रीय संघर्षों का सामना करना पड़ता है, जिससे उनके जीवित रहने की संभावना घट जाती है। सबसे महत्वपूर्ण नुकसान युवा 4 नर एवं 1 मादा बाघ ळ-128, ळ-131, ळ-139, ळ-2401 और ळ-138 का है, जिनका सामना डोमिनेंट बाघों से क्षेत्रीय संघर्षों में हुआ। ये युवा बाघ अक्सर नए क्षेत्रों की तलाश में रहते है और ऐसे संघर्षों के कारण उनकी मौत हो सकती है। हालांकि वन विभाग को इनके भी शव नहीं मिले हैं।

### 27 साल से काम कर रही है टाइगर वॉच

1997 से टाइगर वॉच संस्था रणथंभौर टाइगर रिजर्व और उसके आस-पास के इलाकों में वन्यजीव संरक्षण के लिए काम कर रही है। टाइगर वाच टीम बाघ की रक्षा करने के लिए ही नहीं, बल्कि उसके निवास वाले पूरे पारिस्थितिकी तंत्र के नाजुक संतुलन को बनाए रखने के लिए भी प्रतिबद्ध है।

## खारी बांध की मुख्य नहर के अवैध माईनर एवं आउटलेट खुले होने से नहीं पहुंचा हाजियास टेल तक पानी ग्रामीण आक्रोशित

नमस्ते राजस्थान

राजस्व ग्राम हाजियास व दांतडा में खारी बांध की मुख्य नहर का पानी 72 घंटा से ज्यादा होने के बाद भी टेल तक पानी नहीं पहुंचने से सरपंच महिपाल सिंह चुंडावत और ग्रामीणों में आक्रोश किसानों के चेहरे पर उदासी छा गई किसानों ने बताया कि बड़ी आस लेकर बैठे थे और खेतों में बीज बुवाई,धौरे, माइनर की सफाई करा के लाखों रुपये लगाकर भी पानी नहीं आने से बहुत बड़ा नुकसान हो जाएगा प्रशासन का कोई ध्यान नहीं है जगह-जगह अवैध रूप से माईनर एवं आउटलेट खुले हुए हैं प्रशासन के अधिकारी कोई मौके पर नहीं है जगह-जगह माईनर खुलने से पानी नहीं पहुंच रहा है किसानों ने बताया कि अगर पानी नहीं पहुंचता तो प्रशासन के खिलाफ धरना प्रदर्शन की दी चेतावनी।

## जनसुरक्षा योजनावो के तहत केम्प का आयोजन

नमस्ते राजस्थान

**सांवर मल शर्मा आसींद,** भारतीय रिजर्व बैंक के वित्तीय समावेशन एवं विकास विभाग द्वारा संचालित मनीवाइज कार्यक्रम के दौरान क्रिसिल फाउंडेशन वित्तीय साक्षरता केंद्र आसींद द्वारा आज मोठी गांव में शिविर का आयोजन किया गया,जिसमें सरपंच लादू राम नायक सचिव घीसाराम माली,वार्ड पंच नेनु सिंह,बैंक बीसी गोविन्द रावत आदि उपस्थित रहे। सेंटर मैनेंजर रुकसाना बानू ने बताया कि प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना हेतु प्रत्येक घर घर जाकर लोगो को सरकार द्वारा चलाई जा रही सामाजिक सुरक्षा की योजना के बारे में जानकारी देकर समुदाय के लोगो को इस योजना से जुड़ने के लिए प्रेरित किया जा रहा है,जिसमे केवल 20 रुपये देकर सरकार के द्वारा चलायी जा रही बीमा के द्वारा 2 लाख रुपये तक पा सकते है इसके अलावा भी लोगो को फील्ड कोर्डिनेटर खुदा बख्श के द्वारा बैंकिंग लोकपाल के ऊपर भी गहनता से जानकारी दी गई जिसमें कटेफटे नोट बदलना, ग्राहक समस्या शिकायत एवं निवारण की जानकारी, आमदनी के अनुसार घर का बजट बनाना, साथ ही ग्राहक के अपने अधिकारों, बचत बीमा पेंशन साइबर ठगी से सावधान व डिजिटल लेनदेन,जिसमें बैंक खाता खोलना ,प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा,प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा अटल पेंशन जेसी अन्य योजनाओं की जानकारी दी गयी। जिसमे उपस्तिथ सभी लोगो विभिन्न प्रकार के बीमा एवम पेंशन के जानकारी लेकर उपस्थित समुदाय में से लोगो को बैंकिंग योजनावो से अधिक से अधिक जुड़ने के लिए और प्रधान मंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवम प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया ।

**होटल में सेफ्टी उपकरण नहीं मिले, 2 फ्लोर सीज किए:**

## स्टाफ बोला- ऑनर विदेश में, ठडउ नहीं ले पाए; अंबा इंटरनेशनल पर कार्रवाई

नमस्ते राजस्थान

**जोधपुर** जोधपुर नगर निगम ने फायर सेफ्टी इक्विपमेंट नहीं होने पर चौपासनी रोड पहला पुलिया स्थित होटल अंबा इंटरनेशनल को सीज करने पहुंची। नगर निगम की फायर सेफ्टी टीम दो फ्लोर सीज कर रवाना हुई। नगर निगम की फायर सेफ्टी टीम सुबह 9:30 बजे होटल पहुंची और होटल के मेन गेट पर नोटिस चस्पा किया। लेकिन, टूरिस्ट सीजन होने से होटल में गेस्ट होने पर और पहले से कुछ इक्विपमेंट होने पर होटल के दो फ्लोर पहले और पांचवें को पूरी तरह सीज कर होटल मालिक को 15 दिन की मोहलत दी गई।

### 15 दिन की मोहलत दी

मुख्य अग्निशमन अधिकारी जलज घसिया ने बताया कि होटल सीज करने के आदेश थे लेकिन होटल में गेस्ट होने से और यहां आने पर पता चला कि कुछ इक्विपमेंट लगे हैं। ऐसे में होटल के दो फ्लोर ही सीज किए और 15 दिन की मोहलत दी है। यहां के स्टाफ ने बताया कि होटल मालिक विदेश में होने के चलते फायर एनओसी के लिए अप्लाई नहीं किया। इस पर निगम के अधिकारियों व प्रशासन से बात कर 15 दिन की मोहलत दी गई। होटल के दो फ्लोर पहले व पांचवीं मंजिल के अलावा रूफ टॉप पर बने बार एरिया को भी पूरी तरह बंद करवाया गया है।

**राजस्थान में 19 नवंबर से सर्दी तेज होने की संभावना:**

## माउंट आबू में पारा 10 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा; बीकानेर में कोहरा छाया

नमस्ते राजस्थान

**जयपुर** राजस्थान में में सुबह बीकानेर और आसपास के क्षेत्रों में कोहरा छाने लगा है। आज भी कोहरे के कारण विजिबिलिटी कम रही। वहीं, श्रीगंगानगर में स्मॉग रहा। पिछले 24 घंटे में सबसे ज्यादा तापमान बाड़मेर में जबकि सबसे कम तापमान हिल स्टेशन माउंट आबू में दर्ज हुआ। वहीं, सबसे खराब एयर क्वालिटी गंगानगर में 282 रिकॉर्ड की गई। मौसम विशेषज्ञों ने बताया- 19-20 नवंबर से राजस्थान में सर्दी बढ़ने की संभावना है। क्योंकि 14 नवंबर से एक वेस्टर्न डिस्टर्बेंस जम्मू-कश्मीर, लद्दाख के एरिया में एक्टिव होगा। इससे वहां बारिश के साथ कुछ स्थानों पर हल्का स्नो फॉल (बर्फबारी) हो सकती है। इस सिस्टम प्रभाव से ही उत्तरी और मध्य भारत के राज्यों में सर्दी की शुरूआत होने की संभावना है। पिछले 24 घंटे के दौरान सबसे ज्यादा तापमान 36.4 डिग्री सेल्सियस बाड़मेर में दर्ज हुआ। जैसलमेर, जोधपुर, चूरू, जालोर, धौलपुर में कल दिन का अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस पर दर्ज हुआ। जयपुर में कल अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस से ऊपर नहीं गया। राज्य के सभी शहरों में कल दिन में धूप रही और हल्की गर्मी रही। शाम होने के बाद अधिकांश शहरों में तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज हुए। अजमेर, भीलवाड़ा, सीकर, उदयपुर, सिरोही, फतेहपुर और जालोर में न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस या उससे नीचे दर्ज हुए। जोधपुर में भी कल न्यूनतम तापमान गिरकर 16.7 डिग्री सेल्सियस पर दर्ज हुआ।

**माउंट आबू में सबसे सर्द रात**

हिल स्टेशन माउंट आबू में कल सबसे ठंडी रात रही। यहां न्यूनतम तापमान 10.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। अजमेर में न्यूनतम तापमान 15.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो औसत से एक डिग्री नीचे चला गया। जयपुर का न्यूनतम तापमान में कोई उतार-चढ़ाव नहीं रहा, यहां न्यूनतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर ने दो-तीन दिन बीकानेर के आसपास कोहरा पड़ने की संभावना जताई है।

## शहर की मुख्य सड़कों और चौराहों से अतिक्रमण को हटाने के लिए 16 नवंबर से चलेगा विशेष अभियान

### जिला कलक्टर नमित मेहता ने अधिकारियों के साथ की बैठक

**प्लानिंग, इंप्लीमेंटेशन और फॉलोअप से शहरवासियों को मिलेगी अतिक्रमण से राहत**

नमस्ते राजस्थान

**भीलवाडा,** अतिक्रमण के चलते सड़क और बाजार में लगाने वाले जाम से मुक्ति दिलाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा 16 नवंबर से अभियान के तौर पर मुहिम चलाई जाएगी। इसी के तहत जिला कलक्टर नमित मेहता ने मंगलवार को जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय में नगर निगम, यूआईटी, पुलिस सहित प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक कर शहर की सड़को को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए है। जिला कलक्टर ने बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए की स्थाई तथा अस्थाई अतिक्रमण हटाने के लिए जीरों टॉलरेंस रखते हुए प्रभावी कार्यवाही करें। इसके लिए अतिरिक्त जिला कलक्टर (शहर) प्रतिभा देवठिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारस जैन, यूआईटी सचिव ललित गोयल, नगर निगम कमिश्नर हेमाराम चौधरी, डीटीओ गौरव यादव को संयुक्त रूप से टीमें बनाकर शहर को अतिक्रमण मुक्त करने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने कहा कि अजमेर चौराहा, सांगानेरी गेट की ओर जाने वाली सड़क, चित्तौड़ रोड़ सहित शहर की तमाम मुख्य सड़कों पर अतिक्रमण की समस्या गंभीर है। ऐसे में सड़कें संकरी हो गई है और अक्सर जाम के हालात बने रहते है, ऐसे में विशेष अभियान 16 नवम्बर से चलाया जाए। साथ ही सड़कों को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए प्रोपर प्लानिंग के साथ अभियान की सफल क्रियान्विति और फॉलोअप करते रहे, ताकि जनता को राहत मिले और प्रभावी कार्यवाही का असर दिखना शुरू हो सके। जिला कलक्टर ने पुलिस विभाग, यातायात, नगर निगम, यूआईटी के अधिकारियों को मौके पर जाकर समझाइश के बाद अभियान के दौरान अतिक्रमण को हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने आवश्यक संसाधनों, पर्याप्त पुलिस बल, जेसीबी मशीन, क्रेन आदि की उपलब्धता के संबंध में निर्देशित किया।

## पटवार घर में सरकारी रिकॉर्ड को जलाने वाले अभियुक्त का आसींद पुलिस ने किया पदार्पास

### भाई से संपत्ति विवाद को लेकर घर मालिक ने ही जलाया था राजस्व रिकॉर्ड

### घटना को लेकर जिला कलेक्टर ने पटवारी प्रहलाद गुर्जर को किया था निलंबित

नमस्ते राजस्थान

**आसींद** : आसींद में करीब एक माह पूर्व कस्बे के पटवार घर में सरकारी राजस्व रिकॉर्ड जलाने की घटना का मंगलवार को आसींद पुलिस द्वारा अभियुक्त का पदार्फाश किया गया ' पुलिस अनुसंधान में घर मालिक द्वारा भाई से संपत्ति विवाद को लेकर पटवार घर में रखें राजस्व रिकॉर्ड को जलाने की अनुसंधान के बाद शिवलाल सेन ग्राम मेफलियाश हाल अहमदाबाद को गिरफ्तार कर लिया गया ज्ञात रहे 27 सितंबर को अल सुबह आसींद कस्बा पटवारी पहलाद गुर्जर द्वारा पटवार घर में आग लगने की सूचना पर तहसीलदार आसींद को सूचित करने के पश्चात अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने तथा राजस्व रिकॉर्ड जलाने की प्राथमिकता आसींद थाने में दर्ज कराई गई थी, पुलिस द्वारा सीसीटीवी रिकॉर्ड तथा अन्य अनुसंधान कर सरकारी रिपोर्ट जलने वाले शिवलाल सेन ग्राम मेंफलियास को गिरफ्तार किया गया '

**2 परिवारों में खूनी संघर्ष 8 घायल:**

## जमीनी विवाद बना मारपीट की वजह,लाठी व पाइपों से हमला

नमस्ते राजस्थान

**भीलवाड़ा** जमीनी विवाद के चलते एक ही परिवार के दो भाइयों में खूनी संघर्ष हो गया और बाद में दोनों भाइयों के परिवार ने एक- दूसरे पर लाठियों व पाइप से हमला कर दिया। जिसमें दोनों पक्षों के आधा दर्जन लोग घायल हो गये।जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद भीलवाड़ा के महात्मा गांधी हॉस्पिटल के लिए रैफर कर दिया, जहां घायलों का इलाज जारी है। मामला शाहपुरा के कस्बे का है।यहां रामपुरा बस्ती में रहने वाले नंदलाल व संपतलाल तेली के बीच जमीन को लेकर चल रहे विवाद में बीती रात दोनों भाइयों के साथ ही उनके परिजन भिड़ गये। आरोप है कि लाठियों व पाइप से दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर हमला किया। हमले में एक पक्ष के संपत तेली, इसकी पत्नी पिंकी,संपत का भाई रामस्वरुप, मां प्रेमदेवी ,जबकि दूसरे पक्ष के नंद लाल,इसका बेटा संजय व दीपक घायल हो गये।

# दयालुता मुस्कानों से भरकर ईश्वरतुल्य बनाती है

विश्व दयालुता दिवस

ललित गर्ग

**हिंसा, युद्ध, आतंक, आर्थिक प्रतिस्पर्धा की गलाकाट प्रतियोगिता के दौर में दयालुता ही ऐसा हथियार जो मानव होने के अर्थ को नई ऊंचाई प्रदान करता है। ऐसे कई तरीके हैं जिनसे कोई व्यक्ति अपनी दयालुता प्रदर्शित कर सकता है और दूसरों को भी उसका अनुसरण करने के लिए प्रेरित कर सकता है। यह दिन समाज में अच्छी गतिविधियों, सेवा-परोपकार और दयालुता का भाव रखने वालों का सम्मान करने के लिए मनाया जाता है।**

विश्व दयालुता दिवस दुनिया के मानव समुदायों में अच्छे कार्यों को उजागर करने के लिए मनाया जाता है, जिसमें सकारात्मक शक्ति, मानवीय संवेदनाओं और दयालुता के सामान्य जीवन-सूत्र पर ध्यान केंद्रित करते हुए इंसान से इंसान को जोड़ने का उपक्रम किया जाता है। दयालुता मानवीय स्थिति का एक मूलभूत हिस्सा है जो जाति, धर्म, नस्ल, राजनीति, लिंग, भाषा, गरीबी-अमीरी और स्थान के विभाजन को पाटती है। आज दुनिया में प्रेम, करुणा, दया एवं उदारता रूपी संवेदनाओं का स्रोत सूखता जा रहा है। इनमें दया एवं दयालुता ही ऐसा मानवीय मूल्य है जिस पर मानव की मुस्कान छिपी है। दयालुता एक ऐसा भाव है जो न केवल दूसरों के प्रति प्रेम जगाता है बल्कि ईश्वर के करीब भी ले जाता है। मानव जीवन के इस सौन्दर्य एवं खूबसूरत भाव को बल देने के लिये प्रतिवर्ष 13 नवंबर को विश्व दयालुता दिवस के रूप में मनाया जाता है। सकारात्मक शक्ति और दया की डोर पर आधारित इस अनूठे एवं अलौकिक दिवस पर समाज में अच्छे कामों को उजागर करने के साथ हमें अच्छे, परोपकारी काम करने को प्रेरित किया जाता है।

हिंसा, युद्ध, आतंक, आर्थिक प्रतिस्पर्धा की गलाकाट प्रतियोगिता के दौर में दयालुता ही ऐसा हथियार जो मानव होने के अर्थ को नई ऊंचाई प्रदान करता है। ऐसे कई तरीके हैं जिनसे कोई व्यक्ति अपनी दयालुता प्रदर्शित कर सकता है और दूसरों को भी उसका अनुसरण करने के लिए प्रेरित कर सकता है। यह दिन समाज में अच्छी गतिविधियों, सेवा-परोपकार और दयालुता का भाव रखने वालों का सम्मान करने के लिए मनाया जाता है। दयालुता एक ऐसा भाव है जो हर मनुष्य के अंदर संवेदनशीलता एवं मानवीयता की अलख जगाते हुए हमेशा दयालु एवं परोपकारी कार्य करने, हमेशा लोगों की मदद करने, हमेशा अच्छा करने का मौका देता है। यह दिवस न केवल हमारे अंदर बदलाव लाता है बल्कि हमारे आसपास की दुनिया को भी बदल कर जीने लायक बना देता है।

विश्व दयालुता दिवस की शुरूआत 1998 में वर्ल्ड किंडनेस मूवमेंट संगठन द्वारा की गई थी, जिसकी स्थापना 1997 के टोक्यो सम्मेलन में दुनिया भर के दयालु संगठनों द्वारा की गई थी। साल 2019 में, इस संगठन को स्विस कानून के तहत एक आधिकारिक एनजीओ के रूप में पंजीकृत किया गया था। वर्तमान में वर्ल्ड किंडनेस मूवमेंट में 28 से अधिक राष्ट्र शामिल हैं जिनका किसी भी धर्म या राजनीतिक गतिविधियों से कोई संबद्धता नहीं है। इसे 1998 में विश्व दयालुता आंदोलन, राष्ट्रों की दयालुता वाले गैर सरकारी संगठनों के गठबंधन द्वारा पेश किया गया था। यह कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, नाइजीरिया और संयुक्त अरब अमीरात सहित कई देशों में मनाया जाता है। सिंगापुर ने पहली बार 2009 में यह दिन मनाया। इटली और भारत में भी यह दिन मनाया जाता है। यूके में, इसका नेतृत्व डेविड जेमिली ने किया, जिन्होंने लुईस बर्फिट-डॉन्स के साथ काइंडनेस डे यूके की सह-स्थापना की।

'हम जैसे भी है, अपने आप में बेहतरीन है और हमारी बेहतरी इसी में है कि हम दुनिया को बेहतर बनाये'- यही भावना आत्मसम्मान और विश्वास जगाएं और अपने गुण-दोषों का आंकलन करें। वास्तव में दया की भावना ही वास्तविक धर्म है। दलाई लामा ने कहा कि 'मैं इस आसान धर्म में विश्वास रखता हूं। मन्दिरों की कोई आवश्यकता नहीं, जटिल दर्शनशास्त्र की कोई आवश्यकता नहीं। हमारा मस्तिष्क, हमारा हृदय ही हमारा मन्दिर है, और दयालुता जीवन-दर्शन है।' इस दुनिया में दया से बढ़कर कुछ भी नहीं है। हालांकि यह सच है कि जघन्य अपराधों, आतंकवाद, युद्ध, हिंसा, मिलावट, नारी शोषण एवं उत्पीड़न की गतिविधियों के मामले दिन-ब-दिन बढ़ते जा रहे हैं, लेकिन इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि दयालुता अभी भी मौजूद है और दुनिया पर राज कर रही है। किसी ने एक बार कहा था कि □□दया उन लोगों को आशा दे रही है जो सोचते हैं कि वे इस दुनिया में बिल्कुल अकेले हैं। लेकिन बड़ा प्रश्न है कि हम दयालुता की बात क्यों कर रहे हैं? क्योंकि दयालुता की भावना ही यह परिभाषित करती है कि व्यक्ति अच्छा है या बुरा। एक व्यक्ति में यह गुण अवश्य होना चाहिए क्योंकि दूसरों के साथ व्यवहार करने का यही एकमात्र सही एवं प्रभावी तरीका है, जो सीधा मनुष्य के दिल को छूता है। यदि आप उन लोगों में से हैं जो दयालुता का कोई भी कार्य करने के बाद अच्छा महसूस करते हैं, तो आप समझते हैं कि वास्तव में दयालुता क्या है! 1990 के दशक के मध्य में, लघु दयालुता आंदोलन ने दुनिया भर से प्रतिभागियों को आमंत्रित करने के लिए एक सम्मेलन आयोजित किया और अपने-अपने देशों में शुरू किए गए दयालुता आंदोलनों के बारे में अपनी कहानियाँ साझा कीं। सम्मेलन सफल रहा और दूसरा सम्मेलन 1997 में आयोजित किया गया। इन सम्मेलनों ने विश्व दयालुता आंदोलन को बल मिला।

विश्व दयालुता दिवस मनाने का उद्देश्य लोगों, समाज और समुदाय को अच्छे काम करने और सभी के प्रति दयालु होने के लिए प्रोत्साहित करना है। साथ ही, यह दिन एक अनुस्मारक प्रदान करता है कि दयालुता के गुण में एक साथ रहने और एक दयालु दुनिया बनाने की शक्ति है जहां सभी लोग एक साथ काम कर सकते हैं, समानतापूर्वक एक साथ रह सकते है। इसमें कोई शक नहीं कि इसे समझना आसान नहीं है लेकिन एक छोटा सा कार्य भी बदलाव ला सकता है। आज एक दयालु दुनिया को निर्मित करने की ज्यादा अपेक्षा है, जिसके नागरिकों में समानुभूति हो, सुनने का अच्छा कौशल हो, सामाजिक सहयोग की भावना हो एवं दान करने की प्रवृत्ति हो। उदारता, परोपकार, मदद की वृत्ति, विनम्रता की भावना से दुनिया को अधिक मानवीय बनाय जा सकता है। इसी एक भाव में दुनिया की जटिल समस्याओं के समाधान निहित है, चाहे वह युद्ध हो, हिंसा हो, भूख हो, गरीबी हो, अभाव हो, पीड़ा एवं परेशानी हो। खलील जिब्रान ने कहा भी है कि दया बर्फ की तरह है, यह जिस चीज को ढक लेती है उसे सुंदर बना देती है।

विश्व दयालुता दिवस हमें यह विश्वास करने के लिए भी प्रेरित करता है कि दयालुता का एक कार्य हमारे बीच, समाज में और समुदाय में वैश्विक परिवर्तन ला सकता है। यह एक ऐसा गुण है जिसे मिलनसार, उदार और विचारशील होने के रूप में परिभाषित किया गया है। दयालुता से संबंधित शब्द स्नेह, गर्मजोशी, नम्रता, चिंता, देखभाल आदि हैं। दयालु होने के लिए साहस और शक्ति की आवश्यकता होती है। यह एक पारस्परिक कौशल एवं मानवीय संवेदना है। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, बर्कले में ग्रेटर गुड साइंस सेंटर ने लिखा है कि कैसे दयालुता आपको खुश करती है और खुशी आपको दयालु बनाती है। वे एक अध्ययन के परिणामों का हवाला देते हैं जो दयालुता और खुशी के बीच एक 'सकारात्मक प्रतिक्रिया पाश' का सुझाव देते हैं, जिसमें एक दूसरे को प्रोत्साहित करता है। दयालुता को शारीरिक और भावनात्मक लाभों की समृद्धि से जोड़ता है। दयालु होने से तनाव हार्मोन का स्तर कम होता है और लोग कम उदास, कम अकेले और कुल मिलाकर खुश रहते हैं। कुल मिलाकर 'खुशी को चुनना' याद रखें। दयालुता दूसरे की सफलता का जश्न मनाने और जरूरत पड़ने पर किसी जरूरतमंद, अभावग्रस्त एवं पीड़ित व्यक्ति की मदद करने की इच्छा की अभिव्यक्ति का माध्यम है। यह एक अलौकिक मानवीय गुण है जो हमें मुस्कानों से भरकर ताजा एवं ईश्वरतुल्य बना देता है। इसीलिये दयालुता पवित्र आभामंडल के ऊध्वारोहण का संवाहक है। आज जरूरत ऐसे दयालु चरित्रवाल व्यक्तियों की है जो प्रेम, संवेदनशीलता एवं सदाचार की फसल उगा सके। भीड़ में उभरते हुए ऐसे दयालु व्यक्तित्व ही वार्तमानिक समस्याओं का रचनात्मक समाधान देने में सक्षम हो सकते हैं। नये सोच के साथ नये रास्तों पर फिर एक बार उस सफर की शुरूआत करें जिसकी गतिशीलता जीवन-मूल्यों को फौलादी सुरक्षा दे सके।

## संपादकीय

### जकड़ में आतंकवादी

कनाड़ा के हिन्दू मंदिर में हिंसक प्रदर्शन और हमला करने के मामले में कनाड़ा पुलिस ने अर्शदीप गिल उर्फ ड़ल्ला को गिर□□ार किया है। ड़ल्ला भारत में प्रतिबंधित खालिस्तान टाइगर फोर्स से जुड़ा है। वह कनाड़ा से याहं पंजाब में आतंकवाद को मजबूत करने का काम कर रहा था। उस पर पंजाब के अलावा हरियाणा व अन्य राज्यों में भी गैंगेस्टरों को संचालित करने का आरोप है। जनवरी 2023 में भारत के गृह मंत्रालय की ओर से उसे आतंकी घोषित किया जा चुका है। उसके सात सौ से ज्यादा शूटर्स इस वक्त सक्रिय हैं। भारत में कई आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के बाद वह अपनी बीवी के साथ कनाड़ा भाग गया था। वह पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए भी काम करता है। देश में बड़ा अपराध करने वालों पर इनाम घोषित किया जाता है। किसी भी अपराधी के आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने पर केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा आतंकी घोषित किया जाता है। ऐसे अपराधियों के विदेश भाग जाने या न पकड़े.जाने पर सीबीआइ, आईबी व एनआईए की संस्तुति पर उसके खिलाफ इंटरपोल की मदद से रेड़ कॉर्नर नोटिस जारी किया जाता है। जब ऐसा अपराधी पकड़.में नहीं आता तो सीआरपीसी की धारा 82 के तहत फरार की घोषणा की जाती है, जिसे आम बोलचाल की भाषा में भगोड़ा कहा जाता है। फरार आरोपी की संपत्ति भी कुर्क करने का प्रावधान है। अर्श पंजाब के ड़ाला गांव का रहवासी है, शुरूआत में वह सिर्फ चोरी करता था। बाद में किड़नैपिंग व हत्याओं में शामिल हो गया। गैंगस्टर गोल्ड़ी बराड़.के साथ जाने के बाद उसने पंजाब में आतंक फैलाना शुरू कर दिया है। इसीलिए अर्श की गिर□□ारी भारती की सुरक्षा एजेंसियों के लिए बड़ी जीत है। एनआईए के मुताबिक अर्श अन्य गैंगस्टरों के साथ मिलकर टेरर-नेटवर्क चलाता है। वह पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए हथियारों की तस्करी का काम भी करता है। उसका नेटवर्क कनाड़ा, अमरीका, दुबई से लेकर थाईलैंड़, मिड़िल ईस्ट तक फैला हुआ है। देश की कई प्रमुख हस्तियों का भी वह हत्यारा बताया जाता है। ऐसे में कनाड़ा पुलिस की गिर□□त में आते ही उस पर कई देशों की पुलिस की नजर है। लारेंस विश्नोई का कट्टर विरोधी होने के कारण उस पर आतंकियों की नजर भी बनी हुई है। कई बार ये हत्यारे गैंगवार का भी शिकार हो जाते हैं। अब उम्मीद की जा सकती है कि उसे अपने अपराधों की उचित व कड़ी सजा मिल सके।

# नए सीजेआई के सामने पुरानी चुनौतियाँ

राकेश अचल

भारत के नए मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना के सामने सभी चुनौतियाँ पुरानी हैं। देश के 51 वे मुख्यन्यायधीश जस्टिस संजीव खन्ना ने पहले ही दिन एक मामले में पैरवी कर रहे वकील को झडपी देकर ये संकेत दे दिए हैं कि उनकी कार्यशैली निवर्तमान मुख्य न्यायाधीश जस्टिस दिवय चंद्रचूड़ से कैसे और कितनी अलग होगी। नए सीजेआई की सबसे बड़ी चुनौती उनका अल्प कार्यकाल। है । सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संजीव खन्ना का बतौर मुख्य न्यायाधीश, कार्यकाल छह महीने का होगा. वह अगले साल 13 मई 2025 को रिटायर हो रहे हैं।

हमारे देश में एक कहावत है कि - पूत के पांव पालने में दिखाई देने लगते हैं। सीजेआई खन्ना के बारे में ये कहावत कितनी लागू होती है ये जानने के लिए आपको उनके पहले दिन का काम काज देखना चाहिए। आपको पता है कि जस्टिस खन्ना साहब की भी अपनी एक विरासत है जस्टिस डीवाय चंद्रचूड़ की तरह । चंद्रचूड़ साहब के पिता देश के सीजेआई रह चुके थे ,उनके नाम सबसे अधिक समय तक इस पद रहने का कीर्तिमान दर्ज है ,जबकि जस्टिस खन्ना के पितापिता देवराज खन्ना दिल्ली हाईकोर्ट के जज रहे है। जस्टिस संजीव खन्ना के चाचा देश के सीजेआई बनते-बनते रह गए थे,नए सीजेआई संजीव कहना साहब जस्टिस एचआर खन्ना के भतीजे हैं. उनके चाचा ने एडीएम जबलपुर के फैसले में असहमति जताई थी ऐसी लोकमान्यता है कि जसिटस एच आर खन्ना के इस फैसले से नाराज सरकार ने उन्हें सीजेआई नहीं बनाया था और जस्टिस एचआर खन्ना ने इस्तीफा दे दिया था।

नए सीजेआई जस्टिस जस्टिस संजीव खन्ना को 201 9 में उच्चतम न्यायालय का जज बनाया गया था। पहले ही दिन वो अपने चाचा की कोर्ट में बैठे और यहीं जस्टिस एचआर खन्ना की तस्वीर भी है। नए सीजेआई जस्टिस खन्ना शांत, गंभीर और सरल स्वभाव के हैं। पब्लिसिटी से दूर रहते हैं ,लेकिन समस्या ये है की क्या मीडिया उन्हें पब्लिसिटी से दूर रहने देगी । मीडिया ने पहले ही दिन नए सीजेआई ने एक मामले की सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अभिभाषक मैथ्यूज नेदुमपरा को झिड़क दिया और कहा की वे यहां उनका ले□□र सुनने नहीं आये है। वकील साहब की गलती सिर्फ इतनी थी की उन्होंने नए सीजेआई से ये कह दिया की -उच्चतम न्यायालय में केवल अडानी अम्बानी की सुनवाई हो रही है गरीबों की नहीं।वैसे भी इस समय देश कि उच्चतम न्यायालय में भाषण देने वाले वकीलों की संख्या पहले की अपेक्षा कुछ ज्यादा ही बढ़ गयी है। ये वे वकील हैं जो सुर्खियों में रहने के आदी हैं

बहरहाल नए सीजेआई को हकीकत का सामना तो करना ही पडेगा ,क्योंकि अतीत में उच्चतम न्यायालय में जिस तरह से क्रन्तिकारी काम हुआ है या आधे-अधूरे फैसले आये हैं ,उनसे आगे निकलने की जरूरत नए सीजेआई को पड़ेगी । सब जानते हैं कि उच्चतम न्यायालय में 70 हजार से ज्यादा मामले लंबित है। हालाँकि इस दौरान पुराने सीजेआई जस्टिस डी वाय, चंद्रचूड़ साहब ने उच्चतम न्यायालय को आधुनिक और पारदर्शी बनाने की दिशा में काफी काम किया। पुराने सीजेआई जस्टिस चन्द्रचूड़ साहब अपने फैसलों से ज्यादा सुधारों के लिए याद किये जायेंगे। उन्होंने न्याय की प्रतीक प्रतिमा की आँखों से काली पट्टी हटवाई । हाथ से तलवार हटवाकर संविधान की प्रति दिलवाई। नए सीजेआई अपने छह माह के कार्यकाल में कोई नया इतिहास लिख पाएंगे ये कहना और ऐसी धारणा बनाना भी ठीक नहीं। उन्हें मौजूदा सरकार से टकराव की मुद्रा भी अख्तियार नहीं करना है ,हालाँकि आम धरना है की वे ऐसा कर सकते हैं। आपको बता दूँ कि जस्टिस खन्ना 14 साल तक दिल्ली हाईकोर्ट में जज रहे. 2005 में एडिशनल जज और 2006 में स्थायी जज बने । जस्टिस संजीव खन्ना 18 जनवरी 2019 को वो भारत के सुप्रीम कोर्ट में जज के रूप में पदोन्नत किए गए। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट लीगल सर्विस कमेटी के अध्यक्ष पद का कार्यभार 17 जून 2023 से 25 दिसंबर 2023 तक संभाला। इस समय वे राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष हैं और राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी, भोपाल की गवर्निंग काउंसिल के सदस्य भी हैं।

ये तो उनका परिचय था । अब उनके द्वारा अतीत में दिए गए कुछ फैसलों पर भी नजर डाल लीजिये ताकि आप अनुमान लगा सकें की नए सीजेआई जस्टिस खन्ना भविष्य में किस तरह की मुद्रा अख्तियार कर सकते हैं। जस्टिस संजीव खन्ना बहुचर्चित बिलकिस बानो केस में फैसला देने वाली बेंच में शामिल थे। उन्होंने केंद्र सरकार की आँखों की किरकिरी बने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जमानत भी दी थी। उन्होंने केजरीवाल को एक बार अंतरिम बेल थी और बाद भी उन्हें नियमित बेल दी थी। खन्ना साहब वीपीएटी ळ का सौ फीसदी सत्यापन करने , इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम, आर्टिकल 370 हटाने को लेकर दायर याचिकाओं की सुनवाई करने वाली बेंच में जस्टिस संजीव शामिल रहे हैं। .

जस्टिस खन्ना के कम कार्यकाल का उनके भावी कार्यकाल पर कितना असर होगा कहना कठिन है । वे चाहें तो इसे इतिहास भी बना सकते हैं और न चाहें तो खामोशी के साथ सेवानिवृत भी हो सकते है। वे

सौभाग्यशाली हैं कि उन्हें कम से कम छह माह तो मिल रहे हैं अन्यथा इस देश में ऐसे सीजेआई भी बने हैं जो मात्र 17 दिन ही इस पद पर रह पाए । देश के 22 वे सीजेआई जस्टिस कमल नारायण सिंह के नाम सबसे कम दिन सीजेआई रहने का रिकार्ड दर्ज है। देश को उम्मीद है कि नए सीजेआई अपने पूर्व के सीजेआई से बड़ी और नयी लकीर खींचेंगे। वे किसी को अपने घर आरती उतारने के लिए नहीं बुलाएँगे किसी अड्डे पर जाकर अपने फैसलों कि बारे में सफाई नहीं देंगे। वे उच्चतम न्यायालय को इस छवि से भी बाहर निकलने की कोशिश करेंगे कि यहां केवल अडानी और अम्बानी जैसे लोगों के मामलों को ही प्राथमिकता के आधार पर सुना जाता। उन्हें अपने संक्षिप्त कार्यकाल में उच्चतम न्यायालय को गरीबों की सुनवाई का मंच बनाने का भी अवसर है हम सब नए सीजेआई के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें अपनी शुभकामनाएं देते हैं।

चिंतन-मनन

## संवेदनशील और सबल बनो

सदाचार का तब तक पालन किए जाओ जब तक यह तुम्हारा स्वभाव न बन जाए। मित्रता, दया और ध्यान का अभ्यास जारी रखो। जब तक यह न समझ जाओ कि यह तुम्हारा स्वभाव है। जब कार्य स्वभावतः किया जाता है,तब तुम फल की लालसा नहीं रखते हो। सहजता से बस कार्य किए जाते हो। स्वभावतः किया हुआ काम न तो थकान देता है और न पुंठित करता है।

दांत साफ करना, नहाना, इत्यादि दैनिक कार्य को कृत्य नहीं समझा जाता क्योंकि ये दैनिक जीवन से जुड़े क्रिया-कलाप हैं। इन सब कार्यं को तुम बिन कर्तापन के करते हो। जब सेवा तुम्हारा स्वभाव बन जाता है, तब यह कर्तापन रहित होता है। ज्ञानी अभ्यास जारी रखते हैं ताकि वे औरों के लिए उदाहरण बनें, हांलाकि उनको किसी अभ्यास की आवश्यता नहीं। जो संवेदनशील हैं, प्रायः वे कमजोर होते हैं। जो स्वयं को सबल समझते हैं, वे प्रायः असंवेदनशील होते हैं। कुछ व्यक्ति स्वयं के प्रति संवेदनशील होते हैं पर औरों के प्रति नहीं। और कुछ लोग दूसरों के प्रति संवेदनशील होते हैं, पर खुद के प्रति नहीं। जो व्यक्ति केवल अपने प्रति संवेदशील हैं, वे प्रायः औरों को दोष देते हैं। जो केवल दूसरों के प्रति संवेदनशवील होते हैं, वे स्वयं को असहाय और दीन समझते हैं। कुछ इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि संवेदनशील होना ही नहीं चाहिए क्योंकि संवेदनशीलता पीड़ा लाती है। वे अपने आप को औरों से दूर रखने लगते हैं परन्तु यदि तुम संवेदनशील नहीं हो तो जीवन के अनेक सूक्ष्म अनुभवों को खो दोगे जैसे अंतर्ज्ञान, सौन्दर्य और प्रेम का उल्लास। यह पथ और ज्ञान तुम्हें सबल भी बनाता है और संवेदनशील भी। असंवेदनशील व्यक्ति प्रायः अपनी कमजोरियों को नहीं पहचानते। और जो संवेदनशील हैं, वे अपनी ताकत को नहीं पहचानते। उनकी संवेदनशीलता ही उनकी ताकत है। संवेदनशीलता अंतर्ज्ञान है, अनुकम्पा है, प्रेम है। संवेदनशीलता आत्म-बल है। और आत्म-बल है स्थिरता, तितिक्षा (सहनशीलता), मौन, प्रतिक्रिया-विहीनता, आत्मविश्वास, निष्ठा और एक मुस्कान। संवेदनशील और सबल, दोनों बनो।

# महाकुंभ : परंपरा की टेक और सांस्कृतिक विरासत

अमिय भूषण

प्रयागराज महाकुंभ 2025 की तैयारियां और प्रचार दोनों जोरों पर है। यह मकर संक्रांति से शिवरात्रि तक चलना है। इस बीच जहां इस महाआयोजन की तैयारियों की खबर चर्चा में है, वहीं कुछ अप्रिय बयान भी आए हैं। आलम यह है कि अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद जहां दो गुटों में विभक्त है, वहीं शैव एवं वैष्णव अखाड़ों में भी मनभेद महसूस किया जा सकता है। इसी नाते कुंभ से जुड़ी परंपराओं के नामकरण में भी विभेद दिख रहा है। संतों के पर्व स्नान एवं शोभायात्रा को अब शाही स्नान और पेशवाई जैसे नामों से नहीं जाना जाएगा।

दरअसल, ये शब्द मुसलमानी शासन के दौर की याद दिलाते हैं। अतएव इनकी जगह सार्थक सुसंस्कृत किंतु सरल नाम को प्रचलन में लाया जाना है। इसको लेकर एक पक्ष ने कुंभ अमृत स्नान एवं मेला छावनी प्रवेश यात्रा रखा है तो दूसरे ने राजसी स्नान और छावनी प्रवेश चुना है। अगर यह विवाद नहीं थमता है, तो फिर पूरे कुंभ उत्सव कई द्वंद्व देखने को मिलेंगे। इस संबंध में कुंभ को लेकर दो प्रकार की राय सामने है। एक पक्ष के अनुसार मेला क्षेत्र में गैर हिन्दुओं द्वारा व्यवसाय कतई उचित नहीं है। इसके पीछे अलग खान-पान, रहन-सहन, रीति-रिवाज और पृथक धार्मिक मान्यताओं का मसला है। इस्लामिक मान्यताओं का गैर मुस्लिम विचारों से असहमति संग इसका असहिष्णु एवं आक्रामक होना भी एक कारण है। पर यह बात सबको समझनी होगी कि इस पूरे आयोजन के लिए विशुद्ध सांस्कृतिक और पारंपरिक है। अतः आवश्यकता व्यवसाय के स्थान पर मान्यताओं तथा जन अपेक्षा को महत्त्व दिए जाने की है। लिहाजा, किसी तरह के सांप्रदायिक या सांस्कृतिक टकराव की बात कुंभ को लेकर अगर होती है तो यह दुर्भाग्यपूर्ण है, भले ऐसे बयान देने वाले बड़े-से-बड़े कथित धमार्चार्य ही क्यों न हों। कुंभ सनातन संस्कृति का सबसे बड़ा और लंबी अवधि उपरांत होने वाला एक उत्सव एवं आयोजन है। मोदी सरकार के प्रयत्नों के नाते कुंभ अब यूनेस्को की सूची में शामिल है। विश्व के अमूर्त धरोहर के रूप में दुनिया भर में कुंभ प्रचार का कार्य चल रहा है। इस कुंभ उत्सव हेतु भारत सरकार की ओर से दुनिया के 194 देशों में निमंत्रण पत्र भेजा जा रहा है। ऐसे में यह चर्चा नि□□त ही दुर्भाग्यपूर्ण है। ऐसा भी हो सकता है कि इसके पीछे कोई षड्यंत्र हो। वैसे कुंभ कई मायनों में दूसरे आयोजनों से सर्वथा भिन्न है। यह परंपराओं से पूर्णतया ओतप्रोत एक पुरातन आयोजन है। मान्यताएं इसे सनातन और चिर पुरातन मानती है। प्रमाण भी कुछ ऐसे ही हैं क्योंकि वेदों में भी इसका जिक्र है। यह भारत विद्या, भारतीय जीवनशैली और यहां के उत्सवों का सुंदर समन्वय है। गौरतलब है कि सनातन संस्कृति की विशेषताओं से अवगत हो कर अनेक गैर हिंदू भी कुंभ स्नान को आते रहे हैं। कभी मोहम्मद फजल की तरह व्यक्तिगत तो कभी प्रभुपाद से किसी हिन्दू गुरु के प्रभाव नाते पूरा का पूरा हुजूम आता रहा है। मोहम्मद फजल महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल थे, जबकि श्रील प्रभुपाद इस्कॉन नामक आध्यात्मिक हिन्दू संस्था के संस्थापक रहे है। एक स्वयं की प्रेरणा से कुंभ में आए थे तो दूसरे ने अगनित लोगों को इसके लिए प्रेरित किया है। इसलिए यहां गैर हिन्दुओं के प्रवेश को अनावश्यक रूप से मुद्दा बनाना कतई उचित नहीं है। बात कुंभ के तैयारियों की करें तो यह अभूतपूर्व और अद्वितीय है। यहां नि□□त समय सीमा के अंदर पूर्ण होने वाले द्रुतगति से चल रहे कार्यों को देखकर भी शासकीय प्राथमिकताओं का पता चलता है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा तैयारियों की अंतिम तिथि तय सीमा भी मंशा बताने को पर्याप्त है। इस दौरान महाकुंभ को लेकर उत्तर प्रदेश शासन की तैयारियां न केवल चाक चौबंद एवं दुरुस्त है बल्कि व्यापक जन सहभागिता वाली भी है। प्रदेश भर में कुंभ समिति सम्मेलन जारी है। कवि गोष्ठी एवं अन्यान्य आयोजनों द्वारा बड़ी संख्या में स्थापित नाम संग नवोदित कलाकार साहित्यकारों को भी इससे जोड़ा जा रहा है। उधर, केंद्र सरकार द्वारा दूसरे देशों में जो प्रचार अभियान चलना है उसमें अभी बेहतरी की बहुत गुंजाइश हैं।

प्रधानमंत्री की सोच के अनुरूप इसको सफलीभूत बनाने के लिए इसमें बदलावों की जरूरत है। हर कुंभ में संतों से जुड़े कई सारे मुद्दे भी विवाद का विषय

बनते रहे हैं। इनमें संतों को मिलने वाली पदवी उपाधियों के साथ ही इनके स्नान अखाड़ा पेशवाई और महंथई के मसले होते हैं। इन विषयों में शासन को भी पहल करनी चाहिए। बात परंपराओं की करें तो ये मौखिक नहीं, बल्कि लिखित विधान के रूप में उपलब्ध है। ऐसे में सभी अनैतिक अधार्मिक गतिविधियों के बंद होने की पहल भी कुंभ आयोजनों के द्वारा ही होना चाहिए। इसके साथ ही मेला क्षेत्र में अहिन्दुओं द्वारा व्यावसायिक गतिविधि पर भी संतों को आगे आना होगा। कई बार मेला प्रशासन के अतिरिक्त संतों द्वारा भी कई वेंडरों को भूमि दी जाती है। इसमें भी उसके सनातनी होने तथा शुद्ध सात्विक वस्तुओं के बेचे जाने आश्वासन हो। तभी कुंभ उत्सव दिव्य भव्य, सार्थक सदुपयोगी और संदेशप्रद होगा।

# आज सियासी वर्चस्व के फैसले का दिन

## सात सीटों पर दिग्गजों की प्रतिष्ठा दांव पर!

- प्रदेश की सात सीटों पर उपचुनाव के लिए आज होगा मतदान
- 69 प्रत्याशियों का भग्य होगा ईवीएम में कैद
- पांच सीटों पर त्रिकोणीय मुकाबला

**जयपुर।**

प्रदेश की सात विधानसभा सीटों पर आज उपचुनाव होगा। सुबह 7 से शाम 6 बजे तक वोटिंग होगी। सलूंबर,चौरासी, झुंझुनूं, रामगढ़, खींवसर, दौसा और देवली-उनियारा सीटों पर हो रहे उपचुनाव के नतीजे 23 नवंबर को आएंगे। सातों सीटों पर हो रहे उपचुनाव सरकार और विपक्ष दोनों के सियासी नरेटिव को तय करेगा। उपचुनाव सियासी तौर पर कांग्रेस और भाजपा दोनों के लिए बेहद अहम है। इन चुनावों का सरकार का पर कोई खास असर नहीं पड़ेगा, लेकिन नेताओं की सियासी सेहत पर जरूर असर होगा। सीएम भजनलाल शर्मा की सियासी प्रतिष्ठा जुड़ी है। जिन सात सीटों पर उपचुनाव हो रहे हैं, उनमें 2023 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के पास केवल सलूंबर सीट थी। बाकी 6 सीटों पर अन्य पार्टियों के उम्मीदवार जीते थे। इस उपचुनाव में बीजेपी एक से ज्यादा सीट जीतती है तो भी उसे फायदा होगा। इसे सरकार के काम पर जनता की मुहर के तौर पर पेश किया जाएगा। राजस्थान की सात सीटों पर होने वाले उप चुनाव में कुल 69 प्रत्याशी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। भाजपा, कांग्रेस, आरएलपी और बीएपी के साथ कुछ अन्य दलों के प्रत्याशी और निर्दलीय उम्मीदवार भी अपना भाग्य आजमा रहे हैं। मतदान 13 नवंबर को सुबह 7 बजे से लेकर शाम 6 बजे तक होगा। मतदान के बाद चुनाव परिणाम जानने के लिए दस दिन का इंतजार करना होगा। मतगणना 23 नवंबर को होनी है। उसी दिन अन्य राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव और उपचुनाव के मतों की गणना भी होनी है। राजस्थान की सात सीटों पर होने वाला चुनाव कई मायनों में अहम है। इन चुनाव से सरकार सहित कई नेताओं की साख जुड़ी हुई है।

### सात विधानसभा सीटों पर वोटर्स की संख्या

| सीट | पुरुष | महिला | ट्रांसजेंडर | कुल वोटर |
|---|---|---|---|---|
| झुंझुनूं | 142780 | 131913 | 5 | 274698 |
| रामगढ़ | 145040 | 129405 | 0 | 274445 |
| दौसा | 129434 | 116589 | 0 | 246023 |
| देवली-उनियारा | 155958 | 146784 | 1 | 302743 |
| खींवसर | 149330 | 136894 | 0 | 286224 |
| सलूंबर | 151547 | 146430 | 0 | 297977 |
| चौरासी | 130647 | 124727 | 1 | 255375 |
| कुल | 1004736 | 932742 | 7 | 1937484 |

### इस बार भाजपा चार से पांच सीटों पर मजबूत स्थिति में, प्रचार भी रहा दमदार

**इस बार** के उपचुनावों में भाजपा ने पूरा जोर लगाया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सहित पार्टी के तमाम वरिष्ठ लगातार चुनाव प्रचार में जुटे रहे। नामांकन रैलियों से लेकर प्रचार के अंतिम दिन तक ताबड़तोड़ सभाएं की गई। केंद्रीय मंत्रियों ने भी इन चुनावी रैलियों में हिस्सा लिया। सात सीटों में भाजपा के पास केवल एक सीट (सलूंबर) थी लेकिन उपचुनाव में भाजपा चार से पांच सीटों पर मजबूत स्थिति में नजर आ रही है। सलूंबर सीट भाजपा के लिए सुरक्षित मानी जा रही है। साथ ही दौसा में जगमोहन मीणा, देवली उनियारा में राजेंद्र गुर्जर, खींवसर में रेवंत राम डांगा के साथ झुंझुनूं में भी राजेंद्र भांबू ओला परिवार को टक्कर देते हुए नजर आ रहे हैं।

- वहीं उप चुनाव के प्रचार में गंभीर नहीं दिखी कांग्रेस, *दिग्गजों की दूरी पड़ सकती है भारी*

**इन उपचुनावों** को लेकर कांग्रेस के नेताओं ने खास रूची नहीं दिखाई। कुछ प्रत्याशी ऐसे थे जिन्होंने अपने स्तर पर नामांकन दाखिल करना पड़ा। नामांकन सभाओं में पार्टी के बड़े नेता शामिल नहीं हुए। पीसीसी चीफ होने के नाते गोविंद सिंह डोटासरा जरूर प्रचार में व्यस्त नजर आए लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत महाराष्ट्र में व्यस्त रहे। वे राजस्थान की सभी सातों सीटों के प्रत्याशियों को समय नहीं दे सके। सचिन पायलट को भी कम समय मिला और वे भी सभी सातों सीटों पर चुनाव प्रचार करने नहीं गए। नेता प्रतिपक्ष भी रामगढ़ तक सीमित रहे। कांग्रेस को झुंझुनूं से जीत की पूरी उम्मीद है। पार्टी के नेता दौसा, देवली उनियारा और दौसा में भी जीत का दावा किया जा रहा है।

## दो सीटों पर भाजपा-कांग्रेस में सीधी टक्कर

### सातों सीटों में से पांच पर त्रिकोणीय संघर्ष

### सीटवार समीकरण समझना जरूरी

- **झुंझुनूं सीट:** इस सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार अमित ओला, भाजपा उम्मीदवार राजेंद्र भांबू और निर्दलीय राजेंद्र सिंह गुढ़ा के बीच त्रिकोणीय मुकाबला है। इस सीट पर कांटे का मुकाबला है। अल्पसंख्यक वोटर यहां सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट होगा। निर्दलीय राजेंद्र गुढ़ा अल्पसंख्यक और राजपूत वोटर में सेंध लगाते दिख रहे हैं। गुढ़ा कितने अल्पसंख्यक वोट ले पाते हैं। इस सीट का नतीजा इससे तय होगा।
- **दौसा:** कांग्रेस और भाजपा के बीच कड़ा मुकाबला है। भाजपा को यहां भितरघात और नाराजगी का खतरा है। यहां भाजपा उम्मीदवार और मंत्री किरोड़ीलाल मीणा के भाई जगमोहन मीणा और कांग्रेस उम्मीदवार दीनदयाल बैरवा के बीच सीधा मुकाबला है। सवर्ण और दलित वोटर्स की लामबंदी यहां नतीजा तय करेगी।
- **रामगढ़:** कांग्रेस उम्मीदवार दिवंगत विधायक जुबेर खान के बेटे आर्यन खान और भाजपा उम्मीदवार सुखवंत सिंह के बीच कांटे का मुकाबला है। हरियाणा से सटी इस सीट पर धार्मिक गोलबंदी ही रिजल्ट तय करेगी। यहां अंदरुनी तौर पर बंटोगे तो कटोगे नारे से धार्मिक गोलबंदी का प्रयास किया गया है। यहां सहानुभूति फैक्टर और धार्मिक गोलबंदी के बीच रिजल्ट का फैसला होना है।
- **देवली-उनियारा:** इस सीट पर भाजपा से पूर्व विधायक राजेंद्र गुर्जर, कांग्रेस उम्मीदवार केसी मीणा और निर्दलीय नरेश मीणा के बीच मुकाबला है। कांग्रेस के बागी नरेश मीणा कितने वोट ले पाते हैं, इससे यहां हार-जीत के समीकरण तय होंगे।
- **खींवसर:** राजस्थान की हॉट सीट खींवसर में इस बार भी कांटे का मुकाबला है। आरएलपी से उम्मीदवार हनुमान बेनीवाल की पत्नी कनिका बेनीवाल, भाजपा उम्मीदवार रेवंतराम डांगा और कांग्रेस उम्मीदवार रतन चौधरी के बीच त्रिकोणीय मुकाबला है। यहां जातीय वोटों की गोलबंदी से समीकरण बदले हुए हैं।
- **सलूंबर:** इस सीट पर कांग्रेस, भाजपा और बाप के बीच त्रिकोणीय मुकाबला है। भाजपा से दिवंगत विधायक अमृतलाल मीणा की पत्नी शांता देवी, कांग्रेस से रेशमा मीणा और बीएपी से जितेश कटारा उम्मीदवार हैं। इस सीट पर भाजपा को सहानुभूति फैक्टर से उम्मीद है।
- **चौरासी:** राजकुमार रोत के सांसद बनने से खाली हुई सीट पर त्रिकोणीय मुकाबला है। इस सीट पर कांग्रेस, भाजपा और बीएपी ने नए चेहरों को उतारा है। यह सीट समीकरणों के हिसाब से कांग्रेस और भाजपा दोनों के लिए चुनौती बनी हुई है।

### इस बार खुद का वोट नहीं डाल पाएंगे 69 में से 2 प्रत्याशी

आज अपने वोट का प्रयोग कर लोग सरकार बनाने में अपनी अहम भूमिका निभाएंगे। इसी क्रम में अपने क्षेत्र में प्रत्याशी भी अपना वोट डालेंगे। लेकिन इस बार खींवसर विधानसभा क्षेत्र में 3 प्रत्याशियों में से मात्र एक ही प्रत्याशी अपने क्षेत्र में वोट डाल पाएगा। बाकी 2 प्रत्याशी इस दौरान अपना वोट नहीं डाल पाएंगे। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी से कनिका बेनीवाल का विधानसभा क्षेत्र नागौर है। वहीं कांग्रेस प्रत्याशी रतन चौधरी का भी विधानसभा क्षेत्र नागौर लगता है। इसलिए दोनों ही अपने मत का प्रयोग नहीं कर पाएंगे।

### टिकट वितरण से लेकर प्रचार अभियान तक सुपर एक्टिव रहे सीएम भजनलाल

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा उपचुनाव में सुपर एक्टिव नजर आए। सीएम ने टिकट वितरण के साथ-साथ प्रचार अभियान की भी पूरी कमान संभाली। अब आज प्रदेश की सात विधानसभा सीटों के उपचुनाव पर मतदान होना है। देखना है कि सीएम के नेतृत्व में भाजपा उपचुनाव में कितनी सफल रहती है। उल्लेखनीय है कि लोक सभा चुनाव में आशा अनुरूप परिणाम नहीं रहने के बाद इन चुनावों को लेकर भाजपा ने पूरी ताकत झोंक दी है। राजस्थान सात विधानसभा सीटों का ये उपचुनाव पूरी तरीके से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कंधों पर टिका हुआ है। सीएम भजनलाल शर्मा ने टिकट वितरण से लेकर चुनाव प्रचार नामांकन और चुनावी रणनीति की बागडोर खुद संभाली।

### एसआई भर्ती परीक्षा विवाद: खुद टंकी पर चढ़े मंत्री किरोड़ी लाल मीणा; युवाओं को मनाकर उतार लाए नीचे

**जयपुर।**

एसआई भर्ती परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर पिछले ढाई दिन से पानी की टंकी पर चढ़े दो युवकों को मनाने के लिए सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा दौसा से उपचुनाव का प्रचार छोड़कर जयपुर पहुंचे। यहां उन्होंने माइक के माध्यम से युवाओं के साथ बातचीत करने की कोशिश की, लेकिन ठीक से आवाज नहीं पहुंचने के कारण एक रस्सी के माध्यम से पॉलिथीन बैग में संदेश लिखकर भेजा गया, जिसमें डॉ. मीणा ने लड़कों को पानी पीने की बात पर मनाया और पानी की बोतल उनके पास पहुंचाई।

इसके बाद में वहां मौजूद अन्य पुलिस अधिकारियों से बातचीत कर डॉ. मीणा ने बीच का रास्ता निकालने की बात कही। सुबह लगभग 11 बजे राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने घटनास्थल पर पहुंचकर युवकों से बातचीत करने का निर्णय लिया।

### सुप्रीम कोर्ट से राजस्थान सरकार को मिली बड़ी राहत

## 23000 खनन पट्टों के बंद होने का खतरा फिलहाल टला

**जयपुर।**

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के आदेश पर अस्थायी रोक लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान सरकार को बड़ी राहत दी है। अदालत ने राजस्थान में खनन संचालन की वैधता को 31 मार्च 2025 तक बढ़ा दिया है। राजस्थान सरकार ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण के एक आदेश के बाद सबसे बड़ी अदालत का रुख किया था। दरअसल एनजीटी ने प्रदेश की 23000 खानों के पट्टों को बंद करने आदेश दिया था। अधिकरण ने पर्यावरण के नियमों की अवहेलना करने के लिए इन खानों के पट्टे रद्द कर दिए थे। जिसके बाद राजस्थान सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से गुजारिश की थी इस मामले पर जल्द सुनवाई की जाए।

### खनन पट्टा धारकों को तीन हफ्ते में लेनी होगी एसईआईएए से मंजूरी

उच्चतम न्यायालय ने जिला स्तरीय पर्यावरणीय प्रभाव आकलन प्राधिकरणों (डीईआईएए) से मंजूरी के साथ संचालित खनन पट्टा धारकों को तीन हफ्तों के भीतर राज्य पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण (एसईआईएए) के लिए आवेदन करने का निर्देश दिया है। राजस्थान सरकार और पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की ओर से प्रस्तुत तर्कों को सुनने के बाद मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने यह फैसला सुनाया है।

### सरकार की दलील- 15 लाख लोगों का रोज़गार छिन जायेगा

राजस्थान सरकार की दलील थी कि खाने बंद होने से करीब 15 लाख लोगों का रोज़गार छिन जाएगा। जिससे प्रदेश में बड़ा संकट आ सकता है। सरकार ने पर्यावरण से जुड़े सभी मापदंडों को पूरा करने के लिए अदालत से एक साल का समय मांगा था। हालांकि अदालत ने 13 नवंबर तक एनजीटी के आदेश पर स्टे लगा दिया था। अब आज नए चीफ जस्टिस संजीव खन्ना इस मामले की सुनवाई करेंगे। अपील में कहा गया है कि इन खनन लाइसेंसों में से आधे से अधिक गरीब और कमजोर वर्गों, भूमिहीन मजदूरों, गरीबी रेखा से नीचे आने वाले परिवारों, शहीदों के परिवारों और अनुसूचित जाति और जनजाति के सदस्यों को दिए गए हैं।

## गलता मंदिर में फिर शुरू हुआ विवाद

## धरने पर बैठे मंदिर के पुजारी

### 4 महीने से नहीं मिला है पुजारियों को वेतन

**जयपुर।**

जयपुर की ऐतिहासिक और धार्मिक धरोहरों में प्रमुख, श्री वैष्णव रामानुज संप्रदाय की प्रधानपीठ, गलता पीठ, इन दिनों विवादों के घेरे में है। मंदिर के पुजारी और कर्मचारी चार महीने से वेतन न मिलने के कारण धरने पर बैठ गए हैं। पुजारियों का कहना है कि प्रशासन ने जुलाई से अक्टूबर तक का मासिक वेतन नहीं दिया, जिससे उनके परिवारों का भरण-पोषण कठिन हो गया है।

**पुजारियों का आरोप: कोर्ट के आदेश के बावजूद वेतन में देरी**

पुजारियों ने बताया कि कोर्ट के आदेश के अनुसार उन्हें समय पर वेतन और अन्य सुविधाएं मिलनी चाहिए, लेकिन देवस्थान विभाग के अधीन आने के बाद से वेतन में देरी और सुविधाओं की कमी ने उनकी समस्याओं को बढ़ा दिया है। पुजारी सत्यनारायण ने कहा कि कई बार प्रशासन को लिखित में पत्र देने के बावजूद उनकी समस्या का समाधान नहीं हुआ है। उनका आरोप है कि सरकारी अधिकारी नकद राशि देकर उन्हें प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि वे वर्षों से बिना किसी समस्या के सेवा और पूजा कार्य करते आ रहे हैं।

### चार महीनों में सभी प्रमुख त्योहार बिना वेतन के बीते

इस साल रक्षा बंधन, जन्माष्टमी, गणेश चतुर्थी, श्राद्ध पक्ष, नवरात्रि, दशहरा, धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन और भाई दूज जैसे त्योहारों पर भी पुजारियों को वेतन नहीं मिला, जिससे वे त्योहार नहीं मना सके। मंदिर में सेवा पूजा के साथ ही गुरुकुल में पढ़ाने, गौ सेवा और अतिथि सेवा जैसे कार्यों में लगे पुजारी अब वेतन के अभाव में परेशान हैं।

## अक्टूबर में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 6.21 प्रतिशत हुई

- 14 महीने में पहली बार आरबीआई के दायरे से बाहर

**नई दिल्ली।**

अक्टूबर में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 6.21 प्रतिशत पर पहुंच गई है। 14 महीने में पहली बार खुदरा महंगाई दर भारतीय रिजर्व बैंक के टॉलरेंस बैंड से बाहर चली गई। आइए जानते हैं खुदरा महंगाई से जुड़े सरकारी आंकड़े क्या कहते हैं। अक्टूबर महीने में भारत की खुदरा महंगाई दर सालाना आधार पर बढ़कर 6.21 प्रतिशत हो गई, यह पिछले महीने के 9 महीने के उच्चतम स्तर 5.49 प्रतिशत से और अधिक है। महंगाई दर में इजाफे का मुख्य कारण खाने-पीने के चीजों की बढ़ती कीमतें हैं। अक्टूबर में खुदरा महंगाई दर 14 महीनों में पहली बार, यानी अगस्त 2023 के बाद से पहली बार भारतीय रिजर्व बैंक की 6 प्रतिशत की टॉलरेंस बैंड को पार कर गई है। मंगलवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार खुदरा मुद्रास्फीति अक्टूबर में बढ़कर 6.21 प्रतिशत हो गई, जो इससे पिछले महीने 5.49 प्रतिशत थी। खाद्य वस्तुओं की कीमतों में तेजी के कारण मुद्रास्फीति बढ़ी है। यह भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के टॉलरेंस बैंड के ऊपरी स्तर को पार कर गई है।

### पिछले साल अक्टूबर में 4.87 फीसदी थी महंगाई दर

अक्टूबर 2023 में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति 4.87 प्रतिशत थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के आंकड़ों से पता चलता है कि खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति अक्टूबर में बढ़कर 10.87 प्रतिशत हो गई, जबकि सितम्बर में यह 9.24 प्रतिशत और एक वर्ष पूर्व इसी महीने में 6.61 प्रतिशत थी।

### सीआईएसएफ की बढ़ेगी ताकत

## केंद्र सरकार ने दी महिलाओं की पहली रिजर्व बटालियन को मंजूरी

**नई दिल्ली।**

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) में महिला सैनिकों की भागीदारी बढ़ेगी। केंद्र सरकार ने एक हजार से अधिक कर्मियों वाली पहली पूर्ण महिला रिजर्व बटालियन तैयार करने को मंजूरी दी है। यह फैसला एयरपोर्ट और अन्य अहम संस्थानों में सीआईएसएफ जवानों की ड्यूटी की बढ़ती जरूरत को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। अफसरों के मुताबिक रिजर्व बटालियन को पहले से स्वीकृत दो लाख कर्मियों के बल से तैयार किया जाएगा। रिजर्व बटालियन में 1025 महिला जवान होंगी। जबकि इसका नेतृत्व वरिष्ठ कमांडेंट स्तर का अधिकारी करेगा। इसे लेकर इसी सप्ताह केंद्रीय गृह मंत्रालय ने स्वीकृति आदेश जारी किया है।

### सीआईएसफ के पास 12 रिजर्व बटालियन

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के पास 12 रिजर्व बटालियन हैं। अधिकारियों ने बताया कि जब भी सीआईएसएफ को चुनाव या किसी नए संस्थान में सुरक्षा की जिम्मेदारी मिलती है तो रिजर्व बटालियन को तैनात किया जाता है।

### 68 एयरपोर्ट और स्मारकों के लिए महिला जवानों की जरूरत

अधिकारियों के मुताबिक सीआईएसएफ के पास देश के 68 एयरपोर्ट समेत दिल्ली मेट्रो, लाल किला और ताजमहल की सुरक्षा का जिम्मा है। यहां पर बड़ी संख्या में महिला जवानों की जरूरत है। इसके लिए सरकार को पूर्ण महिला रिजर्व बटालियन के गठन का प्रस्ताव दिया गया था। इसके अलावा सीआईएसएफ परमाणु और एयरोस्पेस से जुड़े संस्थानों समेत निजी क्षेत्र के संस्थानों को आतंकवाद विरोधी सुरक्षा देता है। इसमें इन्फोसिस का बंगलूरू और पुणे कार्यालय, जामनगर में रिलायंस की रिफाइनरी शामिल है।

- जुलाई में मिला था संसद की सुरक्षा का जिम्मा

केंद्र सरकार ने जुलाई में देश की संसद की सुरक्षा का जिम्मा सीआईएसएफ को दिया था। इससे पहले संसद की सुरक्षा की जिम्मेदारी सीआरपीएफ के पास थी। सीआईएसएफ ने यहां पर 3,300 से अधिक जवानों को तैनात किया है। इनकी अगुवाई के लिए 29 अधिकारियों को भी तैनात किया गया। इन अफसरों में एक उपमहानिदेशक, एक वरिष्ठ कमांडेंट, दो कमांडेंट, सात डिप्टी कमांडेंट और 18 असिस्टेंट कमांडेंट को शामिल हैं। इनमें से दो अधिकारी फायर विंग से हैं।

### चीन में बेकाबू कार से कुचले 35 लोगों की मौत, 43 घायल

**बीजिंग ।**

चीन के झुहाई में एक ड्राइवर बेकाबू वाहन लेकर भीड़ में घुस गया। इस भीषण सड़क हादसे में 35 लोगों की मौत हुई है, जबकि 43 से अधिक लोग घायल हुए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक झुहाई में इस समय चीन का प्रतिष्ठित एयर शो चल रहा है। इस कारण शहर में काफी भीड़-भाड़ है। इस हाइप्रोफाइल कार्यक्र म के दौरान व्यस्ततम इलाके में 62 वर्षीय ड्राइवर बेकाबू वाहन के साथ पहुंच गया। चालक को हिरासत में ले लिया गया है।

## संक्षिप्त समाचार

### इजराइल ने हिजबुल्लाह कमांडर सलीम को सीरिया में ढेर किया

**तेल अवीव, एजेंसी।** इजराइली सेना ने हिजबुल्लाह के एक कमांडर सलीम जमील अय्याश को एक हवाई हमले में मार गिराया है। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक सलीम सीरिया में हिजबुल्लाह के गढ़ अल-कौसैर में छुपा हुआ था। इजराइली सेना के हमले में सलीम के अलावा 8 और लोग मारे गए। ईरान के विदेश मंत्रालय ने इजराइली सेना के सीरिया पर हमले की आलोचना की है। मंत्रालय ने संयुक्त राष्ट्र से इजराइल को बाहर निकालने और इजराइली हथियारों पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। सलीम हिजबुल्लाह की यूनिट 151 का मेंबर था। अमेरिका ने उस पर 10 मिलियन डॉलर (84 करोड़ रुपए) का ईनाम रखा था। वह लेबनान के प्रधानमंत्री रफीक हरीरी की हत्या के लिए जिम्मेदार था। हरीरी लेबनान के सबसे ज्यादा लोकप्रिय सुन्नी मुस्लिम नेता थे। वे 5 बार देश के पीएम रहे। 14 फरवरी 2005 को बेरूत में हरीरी के काफिले को 3000 किलो विस्फोटक से भरे ट्रक से टक्कर मारी गई थी। इसमें उनकी मौत हो गई थी। हमले में उनके साथ के 21 लोग और भी मारे गए थे।

### कविताओं से हो रहा मानसिक स्वास्थ्य का इलाज, लंदन में खुली पोएम फॉर्मेसी

**लंदन , एजेंसी।** आजकल मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं जैसे उदासी, एंग्जाइटी (चिंता) और अकेलापन का इलाज सिर्फ दवाइयों से नहीं, बल्कि कविताओं से भी हो रहा है। यह सुनने में थोड़ा अजीब लग सकता है, लेकिन यह बिल्कुल सच है। लंदन में एक नई पहल शुरू की गई है, जिसे पोएम फॉर्मेसी कहा जाता है। यहां लोग मानसिक परेशानियों से उबरने के लिए कविताओं का सहारा ले रहे हैं। पोएम फॉर्मेसी एक विशेष प्रकार की फॉर्मेसी है, जहां लोग दवाइयों के बजाय कविताओं की किताबें पढ़ते हैं। एक-दूसरे को सुनाते हैं और कविताओं के बारे में बातचीत करते हैं। यह फॉर्मेसी दो महीने पहले बुजुर्गों के लिए शुरू की गई थी, लेकिन अब यहां युवा भी बड़ी संख्या में आने लगे हैं। कई युवा तो यहां खुद कविताएं लिखने लगे हैं। फॉर्मेसी की संस्थापक डेब अल्मा एबुलियंस नामक संस्था की प्रमुख हैं। वह कहती हैं कि कविता एक ऐसी कला है, जो मन की गहरी अवस्था में विकसित होती है। चाहे वह खुशी हो या फिर उदासी, दर्द या दुःख। कविताएं ट्रॉमा (आघात) से बाहर निकालने में मदद कर सकती हैं। इस फॉर्मेसी की टेबलों पर रखी बोतलों पर भी कविताएं लिखी हुई होती हैं, जो आने वालों के लिए एक तरह से मानसिक राहत का जरिया बनती हैं।

### मध्य मेक्सिको के बार में बंदूकधारियों ने की गोलीबारी; 10 की मौत, सात घायल

**क्वेरेटारो, एजेंसी।** क्वेरेटारो के गवर्नर मौरिसियो कुरी ने हमलावरों को न्याय के कठघरे में लाए जाने का संकल्प लिया और कहा कि वह मारे गए लोगों के परिवारों को सहायता प्रदान करने की दिशा में काम कर रहे हैं। मध्य मेक्सिको के एक बार में बंदूकधारियों ने गोलीबारी की जिसमें 10 लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। एक स्थानीय अधिकारी ने यह जानकारी दी। यह हमला शनिवार को क्वेरेटारो में हुआ। शहर के सार्वजनिक सुरक्षा प्रमुख जुआन लुइस फेरुस्का ऑर्टिज ने हमले और हताहतों की संख्या की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि हमले के बाद कम से कम एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। बार में कैमरों के फुटेज सोशल नेटवर्क पर प्रसारित किए गए हैं। इनमें नजर आ रहा है कि चार लोगों का एक समूह बार में घुसा और उसने वहां बैठे लोगों पर अंधाधुंध गोलियां चलानी शुरू कर दीं। वीडियो में लोग स्वयं को बचाने की कोशिश करते दिख रहे हैं। क्वेरेटारो के गवर्नर मौरिसियो कुरी ने हमलावरों को न्याय के कठघरे में लाए जाने का संकल्प लिया और कहा कि वह मारे गए लोगों के परिवारों को सहायता प्रदान करने की दिशा में काम कर रहे हैं।

### 36 वर्षीय अमेरिकी महिला ने बनाया नया विश्व रिकॉर्ड, दान किया 2,645 लीटर ब्रेस्ट मिल्क

**वाशिंगटन, एजेंसी।** एक अमेरिकी महिला ने स्तन दूध दान करके एक नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया है। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के मुताबिक, टेक्सास की 36 वर्षीय एलिस ओगलेट्री ने अब तक का सबसे ज्यादा व्यक्तिगत स्तन दूध दान किया है। उन्होंने 2,645.58 लीटर दूध दान किया, जो किसी महिला द्वारा दान किया गया अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। एलिस ओगलेट्री ने इससे पहले 2014 में भी विश्व रिकॉर्ड बनाया था, जब उन्होंने 1,569.79 लीटर दूध दान किया था। रिपोर्ट के अनुसार, ओगलेट्री ने अपना दूध नॉर्थ टेक्सास के मदर्स मिल्क बैंक को दान किया। यह मिल्क बैंक समय से पहले जन्म लेने वाले बच्चों के लिए स्तन दूध इकट्ठा करता है, जिससे उन्हें जरूरी पोषण मिल सके।

# सगाई टूटी तो अंगूठी पर किसका हक? अमेरिका की कोर्ट ने पलटा 60 साल पुराना फैसला

**मैसाचुसेट्स, एजेंसी।** सगाई टूटी तो अंगूठी कौन रखे? इस बेहद पेचीदा सवाल का जवाब अमेरिका में मैसाचुसेट्स की सबसे बड़ी अदालत ने दिया है। यहां की कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई के दौरान इस पर अपना फैसला सुनाया है। मामले की सुनवाई के दौरान विवाद के केंद्र में 70,000 डॉलर यानी लगभग 60 लाख रुपए की एक अंगूठी थी। कोर्ट ने फैसला सुनाया है कि सगाई की अंगूठी पर इसके खरीदने वाले का हक है और उसे वापस कर दी जानी चाहिए। इससे पहले तक कोर्ट को यह पहचानने की कोशिश करनी पड़ती थी कि रिश्ते के अंत के लिए कौन जिम्मेदार है। इसके बाद अंगूठी को लेकर फैसला किया जाता था। अब कोर्ट ने 60 साल बाद यह नियम बदल दिया है। यह मामला ब्रूस जॉनसन और कैरोलिन सेटिनो से जुड़ा था। उन्होंने 2016 में डेटिंग शुरू की थी। इसके बाद वे पूरे अमेरिका और इटली में एक साथ घूमे। इस दौरान जॉनसन ने छुट्टियों का खर्च उठाया और सेटिनो को गहने, कपड़े, जूते और हैंडबैग भी दिए। जॉनसन ने कुछ दिनों बाद 70,000 डॉलर की हीरे की अंगूठी खरीदी और अगस्त 2017 में सेटिनो के पिता से उससे शादी करने की बात की। जॉनसन ने बताया कि उन्हें ऐसा लगा कि उसके बाद से सेटिनो लगातार उससे दूरी बनाने लगी। जॉनसन के मुताबिक जब उन्हें प्रोस्टेट कैंसर का पता चला तो वह उनके साथ इलाज के लिए अस्पताल भी नहीं जाती

थी। इसके बाद जॉनसन को पता चला कि सेटिनो उन्हें धोखा दे रही थी। इस सब के बाद जॉनसन ने सगाई तोड़ दी। हालांकि अंगूठी को लेकर असमंजस की स्थिति थी। ट्रायल जज ने शुरुआत में यह निष्कर्ष निकाला कि सेटिनो सगाई की अंगूठी रखने का हकदार था। कोर्ट ने यह तर्क दिया कि जॉनसन ने सेटिनो पर उसे धोखा देने का गलत आरोप लगाया। हालांकि अपील कोर्ट ने यह फैसला सुनाया कि अंगूठी जॉनसन को मिलनी चाहिए। सितंबर में मामला मैसाचुसेट्स सुप्रीम ज्यूडिशियल कोर्ट के सामने आया जिसमें अंततः फैसला सुनाया कि अंगूठी जॉनसन को ही रखनी चाहिए। अपने फैसले में जज ने कहा कि इस मामले ने यह सवाल उठाया है कि क्या इस आधार पर अंगूठी के हकदार का फैसला लिया जा सकता है कि रिश्ता तोड़ने के लिए कौन दोषी है।

**डोनाल्ड ट्रंप ने पुतिन से यूक्रेन संघर्ष को कम करने का आह्वान किया : न्यूयॉर्क, एजेंसी।** अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से फोन पर बातचीत में आग्रह किया कि वे यूक्रेन में चल रहे संघर्ष को और बढ़ाने से बचें। यह कॉल फ्लोरिडा में ट्रंप की चुनाव में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस पर निर्णायक जीत के कुछ दिन बाद ही हुई। इस बातचीत के दौरान ट्रंप ने मॉस्को के साथ और चर्चा करने की इच्छा जताई ताकि तनाव को कम किया जा सके और इस ढाई साल लंबे युद्ध का समाधान निकाला जा सके। वॉशिंगटन पोस्ट के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार, ट्रंप ने यूरोप में अमेरिकी सैन्य उपस्थिति की अहमियत पर जोर देते हुए कहा कि वे इस प्रभाव का उपयोग यूक्रेन संघर्ष के समाधान में करना चाहते हैं। ट्रंप ने चुनाव प्रचार के दौरान युद्ध समाप्त करने का वादा किया था और शांति की जरूरत पर बल दिया, हालांकि उन्होंने अभी तक कोई विशेष रणनीति या प्रस्ताव नहीं दिया है। पिछले बुधवार को ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की से भी फोन पर बात की, जिसमें उद्योगपति एलोन मस्क के भी शामिल होने की खबर है। जेलेंस्की ने इसे बहुत अच्छी चर्चा बताया और कहा कि ट्रंप के संवाद को जारी रखने के रुख से उन्हें उम्मीद मिली है। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने नई अमेरिकी सरकार के साथ सहयोग कर क्षेत्र में शांति और स्थिरता लाने के प्रति आशा व्यक्त की है। 2022 में शुरू हुए इस संघर्ष ने वैश्विक राजनीति पर गहरा असर डाला है, और इसके जल्द समाधान के संकेत कम ही नजर आ रहे हैं। हाल के घटनाक्रम से यह भी दिखता है कि रूस और यूक्रेन, दोनों भविष्य की वार्ताओं में बेहतर स्थिति में रहने के लिए रणनीतिक कदम उठा रहे हैं। यूक्रेन की सेनाएं कुछ क्षेत्रों में आगे बढ़ी हैं, तो रूस ने भी कुछ जगहों पर अपने सैनिकों की स्थिति मजबूत की है। ये बदलाव इस बात को रेखांकित करते हैं कि इस विवाद में कूटनीतिक हस्तक्षेप की कितनी जरूरत है। इस सप्ताहांत रूस ने यूक्रेन पर रातों-रात 145 ड्रोन दागे, जबकि रूस का कहना है कि उसने रविवार को मॉस्को पर निशाना साध रहे 34 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए।

# पाकिस्तानी सीमा पर खूनी जंग; आतंकी हमले में 5 बलूच ईरानी सैनिकों की मौत

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान में आतंकी हमलों की बढ़ती घटनाओं के बीच रविवार को पाकिस्तानी सीमा के पास हुए आतंकवादी हमले में 5 ईरानी सैनिकों की मौत हो गई है। ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी आईआरएनए ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया कि मारे गए जवान अर्धसैनिक बल रिवोल्यूशनरी गार्ड के स्वयंसेवी बासिज बल के बलूच सदस्य थे। रिपोर्ट के मुताबिक हमला सिस्तान और बलूचिस्तान प्रांत के सरवन शहर में हुआ है। अब तक किसी भी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। इससे पहले ईरान ने बताया था कि रिवोल्यूशनरी गार्ड बलों ने एक सैन्य अभियान में तीन आतंकवादियों को मार गिराया था और नौ आतंकियों को गिरफ्तार किया था। रिपोर्ट में यह नहीं बताया गया कि संदिग्ध किस समूह से जुड़े हुए थे। गौरतलब है कि पिछले महीने अज्ञात बंदूकधारियों ने इलाके में यहां रिवोल्यूशनरी गार्ड के प्रमुख सहित चार लोगों की हत्या कर दी थी। इससे पहले सितंबर में दो अलग-अलग हमलों में सिस्तान और बलूचिस्तान प्रांत में चार सैनिकों की मौत हो गई थी। इन हमलों की जिम्मेदारी आतंकवादी समूह जैश अल-अदल ने ली थी। ये समूह जातीय बलूच अल्पसंख्यक के लिए अधिकारों की मांग करता है। सरवन शहर ईरान की राजधानी तेहरान से लगभग 1,400 किलोमीटर दूर स्थित है। अफगानिस्तान और पाकिस्तान की सीमा पर स्थित इस इलाके में आतंकवादी समूहों, ड्रग तस्करों और ईरानी सुरक्षा बलों के बीच अक्सर झड़प होते हैं। वहीं यह ईरान के सबसे कम विकसित भागों में से एक है। यहां रहने वाले सुन्नी मुस्लिम और ईरान के शिया मुस्लिमों के बीच संबंध लंबे समय से तनावपूर्ण रहे हैं।

### नेतन्याहू ने पहली बार कबूला- इजरायल ने ही किए लेबनान पर पेजर अटैक

**यरुशलम, एजेंसी।** इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण बयान में स्वीकार किया है कि सितंबर में लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ हुए पेजर विस्फोटों के पीछे इजरायल की संलिप्तता थी। यह जानकारी रविवार को हुई साप्ताहिक कैबिनेट बैठक के दौरान आई, जिसमें नेतन्याहू ने इस ऑपरेशन का जिक्र किया। सितंबर में, लेबनान में हिजबुल्लाह लड़ाकों के हजारों पेजर एक साथ विस्फोट कर गए थे, जिसके चलते लगभग 40 लोग मारे गए और 3000 से अधिक लोग घायल हुए थे। अगले दिन, वॉकी-टॉकी उपकरणों में भी विस्फोट हुए थे, जिसे हिजबुल्लाह ने इजरायल की कार्यवाही करार दिया। हालाँकि, इजराइल ने कभी खुले तौर पर इस ऑपरेशन की जिम्मेदारी नहीं ली थी, जिससे यह बयान महत्वपूर्ण है। बैठक के दौरान, नेतन्याहू ने कहा, पेजर ऑपरेशन और (हिजबुल्लाह नेता हसन) नसरल्लाह का सफाया, रक्षा प्रतिष्ठान के उच्च अधिकारियों और राजनीतिक स्तर पर इसके खिलाफ रहने के बावजूद किया गया। उनके इस बयान को इजरायली मीडिया में पूर्व रक्षा मंत्री योआव गैलेंट की आलोचना के रूप में देखा गया है, जिन्हें नेतन्याहू ने हाल ही में अपने पद से हटा दिया था। नेतन्याहू के इस खुलासे का संबंध इजरायल में हाल के राजनीतिक तनावों से भी है। इजरायल की सरकार विभिन्न जांचों का सामना कर रही है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय मीडिया को कथित रूप से झूठी खुफिया रिपोर्ट लीक करने का मामला भी शामिल है।

# यूएस की कानूनी आव्रजन प्रणाली चरमरायी, अवैध शरणार्थियों को भेजेंगे उनके देश : रामास्वामी

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शीर्ष भारतीय-अमेरिकी सहयोगी विवेक रामास्वामी ने अवैध शरणार्थियों को उनके देश वापस भेजने की योजना का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि देश में कानूनी आव्रजन प्रणाली चरमरा गई है। अब समय आ गया है कि इसे ठीक किया जाए। उन्होंने कहा कि अमेरिका में प्रवेश करते वक्त कानून तोड़ने वाले लोगों को यहां रहने का कोई अधिकार नहीं है और उन्हें वापस अपने देश जाना होगा।

उद्यमी से नेता बने रामास्वामी ने एबीसी न्यूज को दिए साक्षात्कार में कहा, 'क्या हमारे पास एक चरमरायी हुई कानूनी आव्रजन प्रणाली है? हां, ऐसा ही है। मुझे लगता है कि पहला कदम कानून व्यवस्था बहाल करना होगा। इसे बहुत ही व्यावहारिक तरीके से करना होगा।' उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में जो लोग आए हैं, उन्होंने देश में जड़ें नहीं जमाई हैं। जिन लोगों ने भी अपराध किया है, उन्हें इस देश से बाहर जाना चाहिए। यानी कि लाखों की संख्या में। यह अपने आप में सबसे बड़ा सामूहिक प्रत्यर्पण होगा।

अवैध शरणार्थियों के लिए बंद होगी सरकारी सहायता रामास्वामी ने कहा कि सभी अवैध शरणार्थियों के लिए सरकारी सहायता बंद की जाएगी। आप देखेंगे कि लोग खुद

देश छोड़कर चले जाएंगे। 5 नवंबर को हुए राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप की शानदार जीत के बाद पहली बार रामास्वामी रविवार को कई मीडिया कार्यक्रमों में दिखाई दिए। उन्होंने बताया कि वह प्रशासन में अपनी भविष्य की भूमिका को लेकर उच्च स्तर पर बातचीत कर रहे हैं। रिपब्लिकन पार्टी के प्राइमरी चुनाव में ट्रंप के प्रतिद्वंद्वी रहे रामास्वामी अब उनके कटु समर्थक व विश्वासपात्र बनकर उभरे हैं।

रामास्वामी ने कहा, 'मुझे लगता है कि डोनाल्ड ट्रंप देश को एकजुट करने के बारे में सोचते हैं। मुझे लगता है कि यही ट्रंप का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने पहले कार्यकाल से भी काफी कुछ सीखा है। मुझे लगता है कि वह दूसरे कार्यकाल में उन कुछ चीजों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने जा रहे हैं जिन्हें वह पहले कार्यकाल में हासिल नहीं कर पाए थे। उन्होंने कहा कि इसे देखकर मुझे लगता है कि यह एक अच्छी बात होगी।

# 24 घंटे में कई जगह हिली धरती, क्यूबा में सहमे लोग, इंडोनेशिया से तजाकिस्तान तक भूकंप के झटके

**क्यूबा, एजेंसी।** रविवार को पूर्वी क्यूबा में 6.8 तीव्रता का भूकंप आया, जिससे द्वीप के सामने हाल की चुनौतियाँ और बढ़ गईं। संयुक्त राज्य भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने बताया कि भूकंप का केंद्र बार्टोलोमे मासो से लगभग 40 किमी दक्षिण में था। सैंटियागो डे क्यूबा जैसे प्रमुख शहरों सहित पूरे पूर्वी क्यूबा में झटके महसूस किए गए। हालांकि इस दौरान किसी क्षति की सूचना नहीं है। इससे पहले क्यूबा और इंडोनेशिया में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए।

दूसरे सबसे बड़े शहर सैंटियागो डे क्यूबा के निवासियों ने महत्वपूर्ण झटके महसूस किए। 76 साल की योलान्डा ताबियो ने बताया कि कैसे लोग सड़कों पर आ गए और डर के मारे अपने घरों से बाहर ही रहे। उसने कम से कम दो झटके महसूस किए लेकिन उल्लेख किया कि उसके दोस्तों और परिवार ने किसी नुकसान की सूचना नहीं दी है। उन्होंने एसोसिएटेड प्रेस को बताया, आपको यह देखना होगा कि सब कुछ कैसे घूम रहा था, दीवारें, सब कुछ।

इससे पहले हाल ही में क्यूबा एक के बदा एक भूकंप आए। बुधवार को, तूफान राफेल, श्रेणी 3 का तूफान, पश्चिमी क्यूबा में आया। तूफान की तेज हवाओं के कारण बड़े पैमाने पर बिजली गुल हो गई, कई घर नष्ट हो गए और सैकड़ों-हजारों निवासियों को पलायन करना पड़ा। तूफान के कई दिनों बाद भी कई इलाकों में बिजली नहीं है। इससे पहले अक्टूबर में, क्यूबा को ऊर्जा संकट के कारण कई दिनों तक द्वीप-व्यापी ब्लैकआउट के साथ गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ा था। इसके बाद एक और शक्तिशाली तूफान आया जिसने द्वीप के पूर्वी क्षेत्र को प्रभावित किया, जिसके परिणामस्वरूप कम से कम छह मौतें हुईं। इन घटनाओं ने कई क्यूबावासियों के लिए मुश्किलें बढ़ा दी हैं जो पहले से ही दैनिक जीवन से जूझ रहे हैं। इससे पहले अक्टूबर में, क्यूबा को ऊर्जा संकट के कारण कई दिनों तक द्वीप-व्यापी ब्लैकआउट के साथ गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ा था। इसके बाद एक और शक्तिशाली तूफान आया जिसने द्वीप के पूर्वी क्षेत्र को प्रभावित किया, जिसके परिणामस्वरूप कम से कम छह मौतें हुईं। इन घटनाओं ने कई क्यूबावासियों के लिए मुश्किलें बढ़ा दी हैं जो पहले से ही दैनिक जीवन से जूझ रहे हैं। क्यूबा की मौसम विज्ञान और भूभौतिकी एजेंसी ने कहा कि रविवार को इंडोनेशिया के पूर्वी दक्षिण पापुआ प्रांत में रिक्टर पैमाने पर 5.0 तीव्रता का भूकंप आया। वहीं समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, भूकंप के झटके रविवार को सुबह 4:20 बजे (जकार्ता समय) पर आए, जिसका केंद्र असमत रीजेंसी के 69 किमी उत्तर पश्चिम में और 10 किमी की गहराई पर था। रिपोर्ट में कहा गया कि सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है, क्योंकि भूकंप के झटकों से बड़ी लहरें उठने की संभावना नहीं है। तजाकिस्तान में भूकंप तजाकिस्तान में रविवार को भूकंप के झटके देखे गए। नेशनल सेंटर ऑफ सीस्मोलॉजी (एनसीएस) ने कहा ताजिकिस्तान में रिक्टर पैमाने पर 4.6 तीव्रता मापी गई। भूकंप शाम 7:48 बजे 145 किलोमीटर की गहराई पर आया, जिसका केंद्र अक्षांश 37.48 और देशांतर 72.39 पर था।

# उत्तर कोरिया से मिलकर बड़ी तैयारी में रूस, यूक्रेनी सेना पर धावा बोल सकते हैं 50 हजार सैनिक

**मास्को, एजेंसी।** रूसी सेना आने वाले दिनों में रूस के कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेनी ठिकानों पर बड़े हमले की तैयारी में है। रिपोर्ट के मुताबिक, इसके लिए उसने उत्तर कोरियाई सैनिकों को मिलाकर हजारों की सैन्य टुकड़ी इकट्ठा की है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने गुरुवार को कहा था कि करीब 11,000 उत्तर कोरियाई सैनिक उस इलाके में हैं, जहां रूसी क्षेत्र में यूक्रेन की तीन महीने की सैन्य घुसपैठ रुकी हुई है। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट में बताया गया कि लगभग 50 हजार रूसी और उत्तर कोरियाई सैनिक हमले में भाग लेने के लिए तैयार हैं। यूक्रेनी कमांडर ने सीएनएन को बताया कि उत्तर कोरियाई सैनिक कुर्स्क में सीधे युद्ध अभियान में भाग ले रहे हैं। वे रूस के पड़ोसी बेलगोरोड और रूस के कब्जे वाले यूक्रेनी क्षेत्रों में भी रक्षात्मक अभियानों का हिस्सा हैं। अब कुर्स्क में सीधे तौर पर वार ऑपरेशन की तैयारी है। यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने अपने सहयोगी देशों से रूस में तैनात उत्तर कोरियाई सैनिकों के युद्ध के मैदान में पहुंचने से पहले आवश्यक कदम उठाने की अपील कर चुके हैं। जेलेंस्की ने उन शिविरों पर यूक्रेनी हमले की संभावना जताई, जहां उत्तर कोरियाई सैनिकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है और कहा कि कीव को उनके स्थान का पता है। 8 हजार उत्तर कोरियाई सैनिक यूक्रेन की सीमा के पास वलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन रूस के

काफी अंदर लक्ष्यों पर हमला करने के लिए पश्चिमी देशों में निर्मित लंबी दूरी के हथियारों का इस्तेमाल नहीं कर सकता, जब तक कि उसे अपने सहयोगियों की इजाजत नहीं मिल जाती। जेलेंस्की ने मैसेजिंग ऐप टेलीग्राम पर पोस्ट में कहा, 'अमेरिका देख रहा है, ब्रिटेन देख रहा है, जर्मनी देख रहा है। हर कोई बस इस बात का इंतजार कर रहा है कि उत्तर कोरियाई सेना यूक्रेन के लोगों पर भी हमला करना शुरू कर दे।' अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने कहा था कि लगभग 8,000 उत्तर कोरियाई सैनिक अब यूक्रेन की सीमा के पास रूस के कुर्स्क क्षेत्र में हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में यूक्रेनी सैनिकों के खिलाफ लड़ाई में क्रेमलिन की मदद करने की तैयारी कर रहे हैं।

# मॉस्को पर यूक्रेन का बड़ा ड्रोन हमला, कई हवाई अड्डों को किया गया बंद

**कीव, एजेंसी।** यूक्रेन ने 2022 में युद्ध शुरू होने के बाद से मॉस्को पर अपना सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया है। रविवार को कम से कम 34 ड्रोन ने रूसी राजधानी को निशाना बनाया। इस हमले ने रूस की राजधानी में अफरातफरी मच गई, जिसके कारण मॉस्को के तीन हवाई अड्डों को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा और कम से कम पांच लोग घायल हो गए।

रूसी रक्षा मंत्रालय के अनुसार कि हमले के कारण मॉस्को क्षेत्र के स्टैनोवॉय गांव में दो घरों में आग लग गई, जिसमें एक 52 वर्षीय महिला को जलने के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस हमले के बाद मॉस्को के हवाई अड्डों- डोमोडेडोवो, शेरेमेतियोवो और जुकोवस्की-ने कम से कम 36 उड़ानों को डायवर्ट किया, लेकिन कुछ ही समय बाद परिचालन फिर से शुरू हो गया। इससे पहले, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने उत्तर कोरिया के साथ शनिवार रात एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। समझौते के तहत, अगर उनमें से किसी पर भी हमला होता है तो दोनों देश ''सभी साधनों का उपयोग करके तत्काल सैन्य सहायता प्रदान करेंगे। यह समझौता शीत युद्ध की समाप्ति के बाद मॉस्को और प्योंगयांग के बीच सबसे मजबूत संबंध को दर्शाता है। इस सप्ताह की शुरुआत में यूक्रेन ने बताया कि उसके सैनिकों का उत्तर कोरियाई इकाइयों के साथ पहली बार मुकाबला हुआ। अमेरिकी अधिकारियों ने रूस में कम से कम 3,000 उत्तर कोरियाई सैनिकों की तैनाती की पुष्टि की थी, जबकि कीव ने बार-

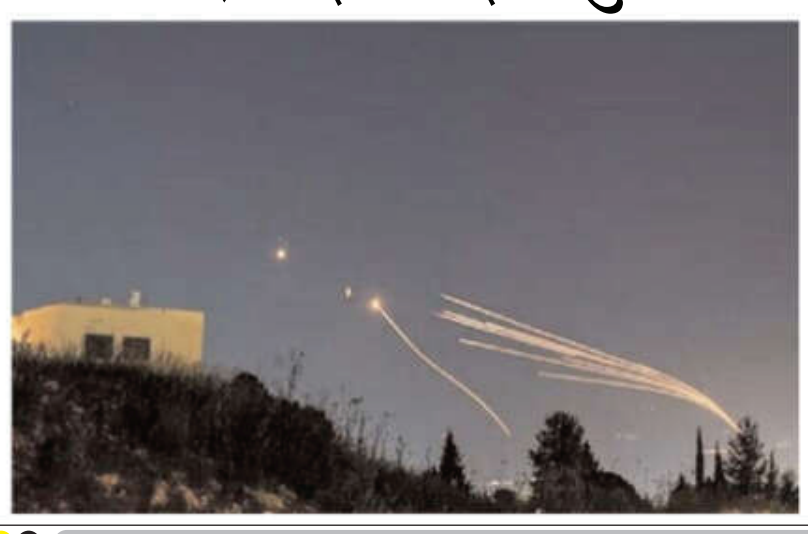

बार कहा है कि यह संख्या इससे कहीं अधिक है। इससे एशिया-प्रशांत में तनाव और बढ़ने की आशंकाएं प्रबल हो गई हैं। इस बीच, ब्रिटेन के रक्षा प्रमुख टोनी राडाकिन ने 'बीबीसी को बताया कि फरवरी 2022 में यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर आक्रमण के बाद से रूसी सेना को अक्टूबर में सर्वाधिक जनहानि हुई।

उन्होंने कहा कि मॉस्को के ''रोजाना औसतन 1,500 सैनिक हताहत हुए और युद्ध में अब तक उसके कुल 7,00,000 सैनिक मारे गए हैं। इस बीच, रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रूसी क्षेत्र में शनिवार रात भर कुल 84 यूक्रेनी ड्रोनों को मार गिराया गया। उसने इसे ''असैन्य बुनियादी ढांचे पर बड़े पैमाने पर हमला बताया।

## मुंबई हवाई अड्डे पर 2.27 करोड़ का 3 किलो सोना जब्त

मुंबई। सोने की तस्करी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं और अबतक मुंबई हवाई अड्डे पर करोड़ों रूपये का सोना पकड़ा जा चुका है लेकिन तस्करी का ये गोरखधंधा थमने का नाम नहीं ले रहा है। इसी कड़ी में एक बार फिर मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर तीन किलो सोना जब्त किया गया है। जब्त किए गए सोने की कीमत 2 करोड़ 27 लाख रुपये बताई जा रही है। इस मामले में दुबई के एक यात्री को गिरफ्तार किया गया है। उसके कब्जे से 1 किलो वजन की 24 कैरेट की तीन सोने की छड़ें बरामद की गईं। यात्री इन सोने की छड़ों को अपनी ट्राउजर की जेब में लाने की कोशिश कर रहा था। लेकिन कस्टम विभाग ने इस आरोपी को हिरासत में ले लिया है। आगे की जांच चल रही है कि ये सोना भारत क्यों लाया जा रहा था, क्या इसका कोई राजनीतिक कनेक्शन तो नहीं ?

## उद्धव ठाकरे की 24 घंटे में दूसरी बार तलाशी

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और शिवसेना सुप्रीमो उद्धव ठाकरे के हेलिकॉप्टर की 24 घंटे में दूसरी बार चेकिंग हुई। उद्धव मंगलवार को उस्मानाबाद में औसा सीट पर प्रचार करने आए थे। इस दौरान चुनाव आयोग के कर्मचरियों ने उनके हेलिकॉप्टर की चेकिंग की। इससे पहले 11 नवंबर को यवतमाल के वनी एयरपोर्ट पर उनके बैग की जांच की गई थी। चुनाव आयोग की कार्रवाई पर उद्धव ठाकरे नाराज हो गए। उन्होंने मंगलवार को कहा- अमित शाह गृह मंत्री के कुर्सी पर बैठने के लायक नही हैं। मोदी के थापा से महाराष्ट्र परेशान हो चुका है। आपने मेरी बैग जांच की कोई बात नही है, लेकिन मोदी और शाह के बैग की भी जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा- मोदी और शाह के बैग की जांच कीजिए, क्योंकि वो महाराष्ट्र लूटकर जा रहे हैं। आज मुझे सोलापुर जाना था, मुझे उड़ान भरने से रोका गया, क्योंकि मोदी आ रहे थे। मोदी प्रधानमंत्री पद के लायक नहीं हैं। 15 लाख रुपए देने का वादा किया था, लेकिन 1500 रुपए दे रहे हैं। देवा भाउ, दादी भाउ, जैकेट भाउ तीनों मिलकर महाराष्ट्र खाऊं ऐसी इनकी सरकार है।

## अभिनेता शाहरुख खान को जान से मारने की धमकी देने वाला रायपुर से गिरफ्तार

मुंबई। एक ओर जहां अभिनेता सलमान खान को लगातार जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं, वहीं पिछले हफ्ते शाहरुख खान को भी धमकी भरा फोन आया था। 5 नवंबर को शाहरुख खान को जान से मारने की धमकी मिली और 50 लाख रुपये की मांग की गई। धमकी भरा फोन पुलिस को आया। इसके बाद पुलिस शाहरुख खान को धमकी देने वाले शख्स को गिरफ्तार करने में कामयाब रही। खबर है कि शाहरुख खान को धमकी देने वाले एक शख्स को छत्तीसगढ़ के रायपुर से गिरफ्तार किया गया है। इस शख्स का नाम फैजान खान है। पुलिस ने इस शख्स को रायपुर से गिरफ्तार किया है। पुलिस जाँच में पता चला है कि धमकी भेजने के लिए फैजान के फोन का इस्तेमाल किया गया था। रिपोर्ट में लिखा है कि धमकी देने वाले ने करोड़ों रुपये की फिरौती मांगी है। ये भी साफ है कि ये पैसे न देने पर शाहरुख खान को जान से मारने की धमकी दी गई है। शाहरुख खान को धमकी मिलने के बाद जब पुलिस ने कॉल को ट्रेस किया तो पता चला कि कॉल रायपुर से आई थी। इसके बाद पुलिस टीम को रायपुर रवाना किया गया और वहां स्थानीय पुलिस की मदद से मुंबई पुलिस ने धमकी देने वाले शख्स को गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

## चीनी गैंग के चार सदस्य सूरत में पकड़े गए, 111 करोड रुपए की धोखाधड़ी

सूरत । चीन में बैठी गैंग के एजेंट भारत में कई स्थानों पर फैल गए हैं। डिजिटल अरेस्ट और निवेश के नाम पर चीन में बैठकर धोखाधड़ी की जा रही है। चीन के गिरोह से जुड़े चार आरोपियों को सूरत पुलिस की साइबर सेल ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी अजय इटालिया, जल्पेश नडियादरा, विशाल दुम्मर तथा हिरेन को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनके पास से 28 मोबाइल फोन, 180 पासबुक, 86 डेबिट कार्ड,258 सिम कार्ड और 30 चेक बुक बरामद हुई है। चीन में बैठे गैंग द्वारा इन आरोपियों के माध्यम से भारत के बैंक अकाउंट मैं लेनदेन किया जाता था। अभी तक 111 करोड रुपए की ठगी के मामले की जानकारी लगी है। कई बैंकों से अभी जानकारी आना बाकी है। सूरत की साइबर सेल पुलिस इस मामले की तह मे जाकर जांच कर रही है। जो आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं। वह भारत में किसी भी बहाने लोगों के डॉक्यूमेंट लेकर अथवा बैंक खाता किराए पर लेकर ठगी की रकम का रोटेशन करते थे। ठगी की यह रकम कई खातों से होते हुए चीन पहुंच जाती थी।

## भारत की 45 फ़ीसदी महिलाएं बेरोजगार, 8 करोड़ युवतियां रोजगार की तलाश में

नई दिल्ली । सांख्यिकी मंत्रालय द्वारा जो रिपोर्ट जारी की गई है। उसके अनुसार भारत की एक बहुत बड़ी युवा आबादी के पास रोजगार का कोई साधन नहीं है। सांख्यिकी विभाग ने मॉड्यूलर सर्वेक्षण 2022-23 की जो रिपोर्ट प्रकाशित की है। उसके अनुसार 15 से 29 साल की लगभग 44.6 फ़ीसदी महिलाओं के पास कोई काम नहीं है। इसी आयु वर्ग के आठ फ़ीसदी युवाओं के पास भी कोई काम नहीं है। यह सभी बेरोजगार हैं। सर्वेक्षण के अनुसार 8 करोड़ से अधिक युवतियां काम की तलाश में है। देश में इस समय 18 से 29 साल की युवा महिलाओं की आबादी लगभग 18.5 करोड़ है। इनमें से 44.6 फ़ीसदी युवतियों के पास कोई कौशल नही है। जिसके कारण ना तो इन्हें कोई रोजगार मिलता है। नाहि कोई नौकरी मिल पा रही है। सर्वेक्षण में यह बात भी सामने आई है 25.6 फ़ीसदी युवा अपनी पढ़ाई छोड़ चुके हैं। उनके पास कोई रोजगार नहीं है। सर्वेक्षण में सबसे चिंता जनक पहलू यह देखने में आया है। 24.2 फ़ीसदी युवा कर्ज के शिकार हैं। वही 12.2 फ़ीसदी महिलाएं कर्ज के मकडजाल में फंसी हुई हैं। सर्वे में ग्रामीण क्षेत्र में 8.4 फ़ीसदी युवा और 40.6 फ़ीसदी युवतियां किसी भी तरह की गतिविधि में शामिल नहीं हैं। शहरी क्षेत्र में 7.1 फ़ीसदी युवा तथा 39.8 फ़ीसदी महिलाएं अपने घरों में बैठी हुई है।

# अपनी रैलियों में मोदी के नारे लगते देख बौखला गए हैं मल्लिकार्जुन खड़गे

### विधायकों को लेकर दिए गए विवादित बयान पर बीजेपी का पलटवार

**नई दिल्ली (एजेंसी)**। मल्लिकार्जुन खड़गे बौखला चुके हैं क्योंकि जब वह अपनी रैलियों में जाते हैं, तो वहां सोनिया गांधी, प्रियंका वाड्रा और राहुल गांधी के पक्ष में कोई नारे नहीं लगाता। सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पक्ष में नारे लगते हैं, और लोग यह कहते हैं, एक रहोगे तो सुरक्षित रहोगे। यह दुख की बात है कि इतने अनुभवी नेता होते हुए भी खड़गे की भाषा की शैली इतनी निम्न स्तर तक पहुंच चुकी है। यह सब इस बात को साबित करता है कि खड़गे समझ चुके हैं कि महाराष्ट्र और झारखंड में उनकी सरकार बनने की कोई संभावना नहीं है। यह बात मंगलवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के भारतीय जनता पार्टी विधायकों को लेकर दिए गए विवादित बयान के बाद पलटवार करते हुए बीजेपी प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कही। उन्होंने आगे कहा, जहां तक खड़गे की बातों का सवाल है, उन्होंने खरीद-फरोख्त का आरोप लगाया है। अगर इस देश के लोकतंत्र में खरीद-फरोख्त का काम किसी ने किया है, तो वह कांग्रेस ने किया है।

अगर किसी ने इस देश की लोकतांत्रिक सरकार को गिराया है, तो वह कांग्रेस ने गिराया है। जवाहरलाल नेहरू ने भी यही किया था। मैं खड़गे से यह कहना चाहता हूं कि यह लोकतांत्रिक देश है, यह आपके परिवार के संविधान के आधार पर नहीं चलता, यह लोकतांत्रिक मूल्यों और सिद्धांतों के आधार पर चलता है।

**मुस्लिम लीग की तरह भारत को चलाना चाहती है कांग्रेस**

उन्होंने कर्नाटक में मुस्लिम आरक्षण पर कहा, कांग्रेस पार्टी की मंशा यह है कि वह भारत को उसी तरह चलाना चाहती है जैसे कि पहले मुस्लिम लीग चलाती थी। कांग्रेस पार्टी की सोच यह है कि वह हिंदू समाज को जातियों में बांटे, सनातन धर्म को डेंगू, मलेरिया और एड्स जैसी बीमारियों के समान बताये और मुसलमानों को संविधान के बजाय विशेष आरक्षण देने की वकालत करे। यही कारण है कि महाराष्ट्र में वह मुस्लिम आरक्षण की बात करती है, कर्नाटक में मुसलमानों को सरकारी ठेकों में लाभ देने का समर्थन करती है और 2009 के अपने घोषणापत्र में वादा करती है कि पूरे देश में मुसलमानों के लिए आरक्षण लागू कर दिया जाएगा। यह देश बाबा साहेब अंबेडकर के संविधान के तहत चलता है, न कि कांग्रेस पार्टी के अपने नए मुस्लिम लीग के संविधान के तहत। कांग्रेस पार्टी को इस देश के बहुसंख्यक समुदाय का वोट नहीं चाहिए। उन्हें बहुसंख्यक समाज की कोई परवाह नहीं है, वे सिर्फ मुस्लिम वोट बैंक के तुष्टीकरण की राजनीति करते हैं। इसी कारण प्रियंका वाड्रा जैसे नेता वायनाड से चुनाव लड़ती हैं, जहां वह 90 फीसदी मुस्लिम वोट हासिल कर सकती हैं।

## विवादित बयान देकर फंसी कंगना रनौत

### -आगरा की कोर्ट ने नोटिस जारी कर मांगा जवाब

आगरा । बॉलीवुड एक्ट्रेस और हिमाचल प्रदेश की मंडी लोकसभा सीट से भाजपा सांसद कंगना रनौत की विवादित बयान के कारण मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। पहले तो उन्हें किसान आंदोलन पर दिए बयान के कारण किसानों की नाराजगी झेलनी पड़ी थी, वहीं अब किसान आंदोलन और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को लेकर दिए गए बयान को लेकर मंगलवार को आगरा की जिला एवं सत्र न्यायालय ने कंगना रनौत को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। अधिवक्ता रमाशंकर शर्मा ने किसानों और राष्ट्रपिता का अपमान की बात करते हुए कंगना रनौत के खिलाफ देशद्रोह का मुकदमा चलाने की मांग करते हुए याचिका दायर की थी। इस मामले में सुनवाई के बाद कोर्ट ने नोटिस जारी करने का आदेश दिया है। बता दें कि राजीव गांधी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अधिवक्ता रमाशंकर शर्मा ने 11 सितंबर 2024 को स्पेशल कोर्ट एमपी एमएलए कोर्ट में वाद दायर किया था। बता दें कि कंगना रनौत ने 2021 में किसान आंदोलन और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को लेकर बयानबाजी की थी। उन्होंने कहा था कि गाल पर चांटा खाने से भीख मिलती है आजादी नहीं। कंगना ने कहा था कि देश को सही मायने में आजादी 2014 के बाद मिली है। किसान आंदोलन को लेकर ममता ने कहा था कि कृषि कानून के खिलाफ प्रदर्शन में खालिस्तानी आतंकी शामिल हैं। इन बयानों के बाद कंगना का देशभर में विरोध भी हुआ था।

## राम मंदिर को बम से उड़ाने की गुरपतवंत सिंह पन्नू की धमकी के बाद सुरक्षा बढ़ी

**अयोध्या/लखनऊ (एजेंसी)**। अयोध्या में स्थित भगवान श्री राम के भव्य राम मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इस धमकी के बाद अयोध्या में सुरक्षा को और बढ़ा दिया गया है। खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने धमकी देते हुए कहा कि 16 और 17 नवंबर को राम मंदिर में हिंसा होगी। इस धमकी के बाद अयोध्या से लेकर लखनऊ तक हड़कंप मच गया है। अब इस मामले पर डीजीपी प्रशांत कुमार ने कहा है कि अयोध्या में सुरक्षा की पूरी पुख्ता व्यवस्था है।

डीजीपी प्रशांत कुमार ने कहा कि एक सुरक्षा व्यवस्था के तहत वहां डिप्लॉयमेंट होता है। पूरी अयोध्या सिटी में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। साथ ही उन्होंने कहा कि जब भी इस तरह की थ्रेट्स आते हैं तो हम उसका स्वतः संज्ञान लेते हैं। खालिस्तानी आतंकी पन्नू ने अयोध्या राम मंदिर के साथ ही कनाडा में भारतीय मूल के हिंदू सांसद चंद्र आर्य को भी धमकी दी है। जानकारी के मुताबिक, पन्नू ने अपने वीडियो बयान में कहा कि हिंदुत्ववादी विचारधारा की जन्मस्थली की नींव को हम हिला देंगे। इसके बाद से अयोध्या की सुरक्षा व्यवस्था को और पुख्ता कर दिया गया है। वहीं, राम मंदिर के मीडिया प्रभारी शरद शर्मा ने बताया कि इसके पहले भी बहुत से आतंकी संगठनों ने राम मंदिर को उड़ाने की बात कही, लेकिन कभी उनके इरादे पूरे नहीं हो सके। पाकिस्तानी समर्थक खालिस्तानियों द्वारा इस तरह का वीडियो जारी कर राम मंदिर को उड़ाने की धमकी दी जा रही है, जो की बहुत ही निंदनीय है।

विदित हो कि खालिस्तानी आतंकी पन्नू को भारत सरकार कई साल पहले आतंकी घोषित कर चुकी है। अब उसकी धमकी मिलने के बाद अयोध्या को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। हालांकि, पहले से ही अयोध्या की सुरक्षा को भेद पाना किसी के लिए आसान नहीं है, लेकिन अब सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत कर दिया गया है। एसपी सुरक्षा ने राम मंदिर दर्शन मार्ग समेत अन्य प्रमुख मार्गों का निरीक्षण किया है। आईजी प्रवीण कुमार ने कहा कि अयोध्या की सुरक्षा पहले से ही हाई सिक्योरिटी जोन है। यहां तैनात सुरक्षाकर्मी आतंकी हमले से निपटने के लिए ट्रेंड हैं। उन्होंने कहा कि धमकी मिलने के बाद फिर से सुरक्षा की समीक्षा की गई है। आतंकी पन्नू पहले भी कई धमकियां दे चुका है।

## इंडी गठबंधन महाराष्ट्र और झारखड़ में चुनाव जीतने मुस्लिम तुष्टिकरण का एजेंडा चला रहे: बीजेपी सांसद

**नई दिल्ली (एजेंसी)**। भाजपा मुस्लिम तुष्टिकरण को लेकर इंडिया गठबंधन और कांग्रेस पर हमलावर है। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और उनके इंडी गठबंधन के सारे सहयोगी मुस्लिम तुष्टिकरण और उनके वोट लेने के लिए एजेंडा चला रहे हैं। बीजेपी सांसद ने दावा किया कि जमीयत ए उलेमा जिला लोहरदगा, छोटा नागपुर ने फरमान जारी किया है कि मौजूदा मुल्क के हालात को देखकर मरकजी हुकूमत का मुसलमानों के ताल्लुक में जो रवैया है और जिस प्रकार मुसलमानों को एनसीआर, यूसीसी और वक्फ कानून लेकर घुसपैठिए के बहाने डराया धमकाया जा रहा है, उस सिलसिले में जमीयत ए उलेमा, झारखंड से मशवरे के बाद जमीयत ए उलेमा जिला लोहरदगा मुसलमानों से अपील करती है कि

मुसलमान एक होकर इंडी गठबंधन के पक्ष में अपना वोट दें। भाजपा नेता ने कहा कि ये झारखंड और महाराष्ट्र की कहानी है। उन्होंने कहा कि ये सारी जमात वहीं है, जिसने तीन तलाक का भी विरोध किया था। इतने सालों के बाद आज भी कांग्रेस पार्टी न कुछ समझती है और न सुधरती है, बल्कि इसतरह तत्वों के बहाने ही चुनाव जीतने का षड्यंत्र करती है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस का सफाया हो रहा है। लेकिन इसके बाद भी कांग्रेस 1950 के मॉडल पर ही चल रही है। 1986 में शाहबानों प्रकरण में कांग्रेस जहां थी, आज 2024 में भी कांग्रेस वहीं खड़ी है। पार्टी सांसद ने कहा कि बीजेपी बहुत स्पष्ट है कि कांग्रेस पार्टी वोटों की खातिर मुस्लिम समुदाय के सभी रूढ़िवादी, विभाजनकारी तत्वों के साथ साजिश रच रही है क्योंकि वे अपनी आसन्न हार से आशंकित हैं।

वहीं बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि जमीयत उलमा-ए-हिंद ने महाराष्ट्र में वहीं काम किया है जो वे अब झारखंड में करने की कोशिश कर रहे हैं। हिंदू समुदाय के लोग एनआरसी से डरने वाले नहीं हैं। अगर मुसलमान भारत के नागरिक हैं, तब वे एनआरसी से क्यों डरते हैं? इसका मतलब है कि वे या बांग्लादेश, पाकिस्तान या किसी अन्य देश से आए घुसपैठिए हैं।

## बीजेपी नेता का कार्यकर्ता को लात मारने का वीडियो वायरल, जिसे लात मारी उसने दी सफाई

जालना। बीजेपी के दिग्गज नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रावसाहेब दानवे का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में दानवे फोटो फ्रेम में आ रहे एक कार्यकर्ता को लात मारते दिख रहे हैं। बताया जा रहा है कि दानवे से मिलने पूर्व मंत्री अर्जुन खोतकर उनके आवास पर पहुंचे थे। इस मेल-मुलाकात के बीच ही दानवे, खोतकर का सम्मान कर रहे थे। लेकिन तभी कार्यकर्ता उनके फोटो फ्रेम में आने लगा। इस दौरान दानवे ने अचानक पास खड़े कार्यकर्ता को लात मार दी। दानवे के कार्यकर्ता को लात मारने की घटना मोबाइल में कैद हो गई। अब वीडियो के वायरल होने के बाद विपक्षी पार्टियां दानवे की आलोचना कर रही हैं।शिवसेना (यूबीटी) जिला प्रमुख भास्कर आंबेकर ने कहा,महाराष्ट्र में अगर नेता अपने कार्यकर्ताओं को लात से मार रहे हैं, तब महाराष्ट्र कहां से कहां आ गया है। जनता को यह सोचना चाहिए। बीजेपी नेता दानवे ने जिस कार्यकर्ता को लात मारी उसका नाम शेख अमद है। घटना के बाद अमद ने कहा है कि जो वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है, वह सही नहीं है। विरोधी दल दानवे के खिलाफ झूठी बातें फैला रहे हैं। शेख अमद ने कहा, दानवे साहेब और मेरी पिछले 30 साल से दोस्ती है। वह जैसे ही एयरपोर्ट से उतरते हैं मुझे फोन करते हैं कि कहां है, घर आजा साथ खाना खाते हैं। मेरे और उनके संबंध अलग तरह के हैं। लात मारने की घटना पर सफाई देकर अमद ने कहा, वे (रावसाहेब दानवे) घर से कपड़े बदलकर आए थे, उनकी शर्ट पीछे से अटकी हुई थी। मैंने उनके कान में कहा कि दादा आपकी शर्ट अटकी हुई है, लेकिन वह समझ नहीं पाए और उन्होंने शरीर को झटका।

## आज से विधानसभा सत्र, हुड्डा और सैलजा के बीच फंसी कांग्रेस, तय नहीं कर सकी नेता प्रतिपक्ष

**चंडीगढ़ (एजेंसी)**। हरियाणा में कांग्रेस की करारी हार के बाद भी गुटबाजी का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा है। बुधवार से शुरू होने वाला हरियाणा विधानसभा का आगामी सत्र विपक्ष के नेता के बिना ही शुरू होगा। इसकारण है कि कांग्रेस ने अभी तक अपने विधायक दल के नेता की नियुक्ति नहीं की है। हरियाणा में कांग्रेस की लगातार तीसरी हार के बाद पार्टी की अंदरूनी स्थिति फिलहाल सही नहीं है। सिरसा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा और पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा के बीच गुटबाजी के कारण नेता प्रतिपक्ष के नाम की घोषणा में विलंब हो रहा है। वहीं पार्टी के कुछ नेताओं का कहना है कि महाराष्ट्र और झारखंड चुनाव के बाद इसकी घोषणा होगी।

इस मामले पर हुड्डा ने कहा है कि पार्टी हाईकमान फिलहाल चुनाव में व्यस्त है। उन्होंने कहा, हमारे वरिष्ठ नेता महाराष्ट्र और झारखंड चुनावों में व्यस्त हैं। इसके पहले पार्टी अध्यक्ष उदयभान ने बालमुकुंद शर्मा को छह साल के लिए निष्कासित कर दिया है जिससे सियासी पारा और चढ़ता दिख रहा है। शर्मा ने दावा किया था कि सैलजा गुट के पांच बार के विधायक चंद्र मोहन और हुड्डा गुट से चार बार के विधायक अशोक अरोड़ा इस पद की दावेदारी

पेश कर रहे थे।

हुड्डा और सैलजा के बीच की दरार पार्टी के लिए सिरदर्दी बनी हुई है। पार्टी हाईकमान को इन दोनों गुटों को संतुलित नहीं कर पा रहा है। इस बीच कांग्रेस ने राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अजय माकन, छत्तीसगढ़ के पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंह देव और पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा सहित वरिष्ठ नेताओं की एक टीम बनाई है जो विधायकों से इन पदों पर उनकी पसंद पर विचार विमर्श करेगी। खबरों के मुताबिक चर्चा के दौरान 37 में से 30 से अधिक विधायकों ने हुड्डा के पक्ष में समर्थन दिया था।

हुड्डा गुट के एक कांग्रेस विधायक ने कहा, विधायक दल का नेता और राज्य पार्टी अध्यक्ष को चुनने में जातिगत संतुलन बनाए रखना महत्वपूर्ण है। 2007 से पार्टी अध्यक्ष पद पर दलित नेता (फूल चंद मुलाना, अशोक तंवर, सैलजा और उदय भान) काबिज हैं, जबकि हुड्डा और किरण चौधरी (अब भाजपा में) जैसे जाट नेताओं ने कांग्रेस विधायक दल का नेतृत्व किया है। उन्होंने कहा, हुड्डा 2005 से 2014 तक सीएम रहे और 2014 की हार के बाद किरण विधायक दल की नेता बनीं हालांकि घोषणा में देरी हुई। 2019 के चुनावों से ठीक पहले हुड्डा फिर से विधायक दल के नेता बने और तब से विधायक दल के नेता बने हुए हैं।

## नवंबर का माह आधा गुजरा गया, लेकिन सर्दी नहीं आई...नासा ने बात दी पूरी वजह

**नई दिल्ली (एजेंसी)**। दिवाली गुजरे दो सप्ताह बीत चुके हैं। इसके बाद भी मौसम में गर्मी बनी हुई है। दिल्ली-एनसीआर, यूपी, हरियाणा, पंजाब, बिहार, राजस्थान सहित समूचे उत्तर भारत में ही तापमान औसत से अधिक है और बिना पंखा चलाए नींद नहीं आ रही है। आखिर इसकी वजह क्या है और कब से सर्दियों का आगमन होगा? इस पर अमेरिकी एजेंसी नासा ने जानकारी दी है कि इस साल का अक्टूबर महीना पूरे विश्व में ही औसतन 1.32 डिग्री अधिक गर्म रहा है। नासा का कहना है कि इस साल का अक्टूबर महीना 2023 के मुकाबले थोड़ा कम गर्म रहा है, लेकिन कुछ इलाकों में इसका उलट भी है।

भारत में अक्टूबर माह में गर्मी होने और अब तक ठंड न आ पाने का कारण पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय नहीं है। इसके अलावा पूर्वी हवाओं का असर है, इसकारण बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। वहीं मौसम विभाग का अनुमान है कि नवंबर का महीना हर साल के मुकाबले थोड़ा अधिक गर्म रहेगा, जबकि अल-नीना के सक्रिय होने के बाद

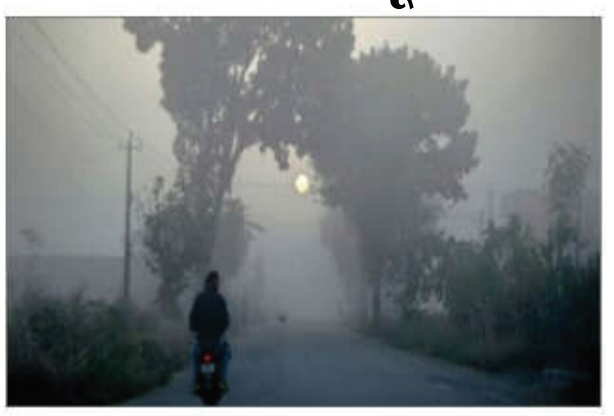

भीषण सर्दी भी हो सकती है। मौसम जानकारों का कहना है कि नॉर्थ इंडिया में न्यूनतम तापमान सामान्य से 2 से 3 डिग्री सेल्सियस ज्यादा बना हुआ है। वास्तव में सर्दियों की शुरुआत दिसंबर मध्य से ही होगी।

मौसम की स्थिति यह है कि न्यूनतम तापमान अधिक है ही, अधिकतम टेम्परेचर भी 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ा हुआ है। यूपी, बिहार, हरियाणा, मध्य प्रदेश, दिल्ली-एनसीआर या पंजाब ही नहीं बल्कि हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख जैसे पहाड़ी इलाकों में भी तापमान हर साल की तुलना में अधिक है। दिल्ली-एनसीआर में अब भी न्यूनतम तापमान 14 से 19 डिग्री सेल्सियस है, जबकि अधिकतम 30 से 32 डिग्री सेल्सियस है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि ला-नीना के सक्रिय होने तक ऐसी ही गर्मी बनी रहेगी। संभावना है कि दिसंबर के दूसरे सप्ताह तक शायद मौसम में गर्मी बनी रहेगी।

## अमेरिकी हथियार आंतकियों के पास... सुरक्षाबल के माथे पर चिंता की लकीर

**जम्मू (एजेंसी)**। जम्मू-कश्मीर में सुरक्षाबल आर्तकियों की सफाई में लगे हुए हैं। आए दिन मुठभेड़ में आर्तकियों को ढेर कर रहे हैं। हालांकि आर्तकियों के पास मिलने वाले हथियार सुरक्षाबलों के लिए चिंता का विषय बन गए हैं। अखनूर में मुठभेड़ के दौरान मारे गए तीन आर्तकियों के पास से अमेरिकी एम4 राइफल मिली हैं। अफगानिस्तान छोड़ते वक्त अमेरिकी फौज इस तरह के हथियार वहीं छोड़ गई थी। अब ये हथियार पाकिस्तान के रास्ते जम्मू-कश्मीर में पहुंच रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई इस तरह के हथियार आर्तकियों तक पहुंचाती है। इसके बाद आतंकवादी हथियार लेकर भारत में घुसपैठ करते हैं। चिंता की बात ये हैं कि इन राइफल में स्टील बुलेट का इस्तेमाल होता है जो कि ज्यादा नुकसान करती हैं। ये हथियार बख्तरबंद गाड़ियों और इमारतों को भी भेदने में कामयाब होते हैं।

रिपोर्ट में बताया गया कि घुसपैठ करने वाले आर्तकियों के पास एके 47 और एम4 कार्बाइन होती हैं। ये सुरक्षाबलों को बड़ा नुकसान पहुंचाती हैं। 2017 में पहली बार जम्मू-कश्मीर में एम4 राइफल मिली थी। सुरक्षाबलों ने जब आतंकी तल्हा राशिद महमूद को मारा था तब उसके पास से राइफल मिली थी। वह जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर का भतीजा था। इसके बाद से कई आतंकी घटनाओं में एम4 गन का इस्तेमाल हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान की तरफ सीमा पर बहुत सारे आर्तकियों का जमावड़ा है। वे लगातार भारत में घुसपैठ करने की कोशिश में हैं। बर्फबारी का फायदा उठाकर वे जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ करना चाहते हैं। रिपोर्ट है कि पीओके में एक बैठक हुई थी जिसमें पाकिस्तानी अधिकारियों के साथ आतंकी संगठनों के सरगना भी मौजूद थे। इसमें भी आर्तकियों को खतरनाक हथियार देने की बात हुई।

हिन्दी साप्ताहिक समाचार-पत्र

NAMASTE RAJASTHAN

# नमस्ते राजस्थान

खबरों की सत्यता, निष्पक्षता, पारदर्शिता

E-MAIL
namasterajasthan11@gmail.Com
nrnews100@gmail.com

राजस्थान
08
भीलवाड़ा

बुधवार,13,नवम्बर, 2024

संपादकीय

खबरों की दुनिया

बंटेंगे तो कटेंगे का नारा तब होगा सार्थक जब ईवीएम से जुड़ेंगे और वोट डालेंगे

## जीत वोट डालने से होगी बंटने-कटने से नहीं

**आजकल** एक जुमला बड़े जोर से चल रहा है कि बंटोगे तो कटोगे लेकिन जब तक मतदाता ईवीएम पर जाकर वोट नहीं डालेगा तब तक बंटने-कटने का नारा व्यर्थ है। यदि नहीं बंटे नहीं कटे तो भी राजनेताओं को कोई लाभ नहीं। उनको लाभ तो तब होगा जब वोटर घर से निकलकर ईवीएम तक पहुंचेगा और तथाकथित नारा लगाने वालों को वोट डालेगा। वरना बंटने-कटने का नारा लगाना व्यर्थ है। कोई भी नेता मतदाताओं को ईवीएम तक चलने या ले जाने का नारा नही लगाता है केवल दिखाने की रैलियां या बड़ी-बड़ी सभाएं करता है। मतदान केंद्र के बाहर पर्ची काटने के लिए टेबिल लगा देता है लेकिन मतदाताओं को घर से लाकर ईवीएम तक पहुंचाने का उपाय बहुत कम लोग करते हैं। बांटने काटने की बात हर कोई करता है लेकिन ईवीएम से जोड़ने की बात कोई नहीं करता है।

डॉ. एल. सी. भारतीय
प्रधान सम्पादक

### आओ वोटरों को ईवीएम तक पहुंचाने के उपाय करें

जातियों में बंटे समाज को एक ही नारा दिया जाना चाहिए कि आओ ईवीएम तक चले। ईवीएम में वोट डालते समय सोचे कि हमें किसे वोट देना है। सबसे बड़ी बात लोगों को ईवीएम से जोड़ने की है जिसने वोटर को घर से लाकर ईवीएम तक पहुंचा दिया उसका हो गया बेड़ा पार। उसको जीतने से कोई नहीं रोक सकता है। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र में 50 से 60 प्रतिशत मतदान होना आश्चर्य की बात है। आधे मतदाता तो मतदान की परवाह ही नहीं करते। वे वोट डालने के लिए घर से ही नहीं निकलते। अतः अब हमें नया नारा गढ़ना होगा 'आओ घर से बाहर निकलो वोट डालने चलो'। तब तक यह नारा नहीं लगेगा लोकतंत्र सफल नहीं होगा। मतदाताओं का जागरूक होना जरूरी है। बंटने या कटने के बजाय हमें ईवीएम से जुड़ने का नारा देना चाहिए। लोगों को घर से निकालकर मतदान केंद्रों तक पहुंचाने का उपाय करना चाहिए।

### बड़ी-बड़ी रैलियों के बजाय लोगों के दिलों पर दस्तक दो

अब हमारे मतदाता भोले-भाले या अनपढ़ नहीं रहे जो किसी के बहकावे या लालच में वोट डालते थे या भावनाओं में बहकर वोट डालते थे। ईवीएम पर खड़ा मतदाता बिना सोचे समझे वोट नहीं करता है। यहां तक की घूंघट की ओट में खड़ी महिलाएं भी घर से चलते समय ही सोचकर आती है कि किसके सामने बटन दबाना है। मतदाता जागरूक है लेकिन हमारे नेता जागरूक नहीं है। वे बंटेंगे तो कटेंगे का नारा लगाकर मस्त है कि मेरे इस नारे को सुनकर मतदाता बिना सोचे समझे मुझे वोट डालेगा फिर पांच साल अगले चुनाव तक मैं उसका हाल तक नहीं पूछूंगा। यदि वह भूले भटके कभी मेरे द्वार आ भी गया तो मैं पहचानने से इनकार कर दूंगा या द्वार पाल से धक्के मारकर बाहर का रास्ता दिखा दूंगा। जब तक मतदाता सोच समझकर वोट नहीं डालेंगे तब तक लोकतंत्र सफल नहीं है।

### झूठे जुमलों या थोथी घोषणाओं में नहीं फंसता आज का मतदाता

हर नेता हर पार्टी चुनावों के समय रेवड़ियां बांटने के झूंठे वादे करती है। घर बैठे तीन हजार से पांच हजार खाते में जमा कराने की बात करती है। मुफ्त में राशन बांटती है। न जाने क्या-क्या लालच देती है। फिर भी मतदाता उनके झांसों में नहीं आते है। केजरीवाल जैसे नेता मुफ्त बिजली पानी के वादे करते हैं। वादे ही नहीं पूरा भी करते हैं फिर भी न जाने मतदाता ऐसे लोगों से क्यों बिदकता है। चुनावों के समय जनता को लोभ लालच देने वालों के लिए कठोर कानून बनना चाहिए। ऐसे लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। इन्हें सजा भी मिलनी चाहिए। आइए सच्चे लोकतंत्र के लिए हम प्रतिज्ञा करें कि हम बिना रेवड़ियों की परवाह करें, लोभ लालच में न आकर मतदान करेंगे।

# कांग्रेस देश को कमजोर करने का मौका नहीं छोड़ती : मोदी

### प्रधानमंत्री बोले-ये कश्मीर में 370 की वापसी के लिए प्रस्ताव लाए, पाकिस्तान भी यही चाहता है

एजेंसी

**मुंबई।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को महाराष्ट्र के चंद्रपुर पहुंचे। यहां उन्होंने चिमूर में कहा- कांग्रेस और महाविकास अघाड़ी वाले देश को पीछे करने का और कमजोर करने का कोई मौका नहीं छोड़ते। कांग्रेस और उसके साथियों ने आपको सिर्फ खूनी खेल दिए हैं। ये हमारी सरकार है जिसने नक्सलवाद पर लगाम लगाई।

मोदी बोले- हमने जम्मू-कश्मीर से 370 को खत्म किया। कश्मीर को भारत और भारत के संविधान से पूरी तरह जोड़ा, लेकिन कांग्रेस और उसके साथी कश्मीर में फिर से 370 लागू करने के लिए प्रस्ताव पास कर रहे हैं। ये लोग वो काम कर रहे हैं जो पाकिस्तान चाहता है।

कांग्रेस और उसके सहयोगियों पर प्रधानमंत्री ने कहा- कांग्रेस और अघाड़ी वाले देश को कमजोर करने का कोई मौका नहीं छोड़ते। जम्मू-कश्मीर दशकों तक अलगाववाद-आतंकवाद में जलता रहा। महाराष्ट्र के कितने ही वीर जवान मातृभूमि की रक्षा करते-करते जम्मू-कश्मीर की धरती पर शहीद हो गए। जिस कानून की आड़ में, जिस धारा की आड़ में ये सब हुआ, वो धारा थी 370। ये कांग्रेस की देन थी।

उन्होंने कहा- हमने 370 को खत्म किया। कश्मीर को भारत और भारत के संविधान से पूरी तरह जोड़ा, लेकिन कांग्रेस और उसके साथी कश्मीर में फिर से 370 लागू करने के लिए प्रस्ताव पास कर रहे हैं। ये लोग वो काम कर रहे हैं, जो पाकिस्तान चाहता है।

विकास की रफ्तार पर मोदी बोले- महायुति की सरकार किस रफ्तार से काम करती है और ये अघाड़ी वालों की जमात कैसे कामों को रोकती है, चंद्रपुर के लोगों से बेहतर ये बात और कौन जानेगा। यहां के लोग दशकों से रेल कनेक्टिविटी की मांग कर रहे थे, लेकिन कांग्रेस और अघाड़ी वालों ने कभी भी ये काम नहीं होने दिया। उन्होंने कहा- 2.5 साल में कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने मेट्रो से लेकर, वधावन पोर्ट और समृद्धि महामार्ग तक हर विकास परियोजना को रोकने का काम किया। इसलिए याद रखिए अघाड़ी यानी भ्रष्टाचार के सबसे बड़े खिलाड़ी हैं।

### कांग्रेस ने सिर्फ खूनी खेल दिए

नक्सलवाद पर प्रधानमंत्री ने कहा- हमारे चंद्रपुर के इस क्षेत्र ने भी दशकों तक नक्सलवाद की आग को झेला है। यहां नक्सलवाद के कुचक्र में कितने ही युवाओं का जीवन बर्बाद हो गया। हिंसा का खूनी खेल चलता रहा, औद्योगिक संभावनाओं ने यहां दम तोड़ दिया। कांग्रेस और उसके साथियों ने आपको सिर्फ और सिर्फ खूनी खेल दिए हैं। हमारी सरकार ने नक्सलवाद पर लगाम लगाई। आज ये पूरा क्षेत्र खुलकर सांस ले पा रहा है। अब चिमूर और गढ़चिरौली के क्षेत्र में नए अवसर बन रहे हैं। इस क्षेत्र में नक्सलवाद फिर से हावी न हो जाए, इसके लिए आपको कांग्रेस और उसके साथियों को यहां फटकने भी नहीं देना है।

### हम एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे

पीएम ने कहा कि आज मैं आपको कांग्रेस और उसके साथियों की एक बड़ी साजिश से भी सावधान कर रहा हूं। हमारे देश में आदिवासी समाज की जनसंख्या करीब 10 प्रतिशत के आसपास है। कांग्रेस अब आदिवासी समाज को जातियों में बांटकर कमजोर करना चाहती है। कांग्रेस चाहती है कि हमारे आदिवासी भाई एसटी के रूप में अपनी पहचान खो दें, उनकी ताकत-पहचान बिखर जाए। आपकी एकता टूट जाए, ये कांग्रेस का खतरनाक खेल है। आदिवासी समाज जातियों में बंटेगा तो उसकी पहचान और ताकत खत्म हो जाएगी। कांग्रेस के शहजादे विदेश में जाकर खुद ये ऐलान कर चुके हैं। इसलिए मैं कहता हूं कि हमें कांग्रेस के इस षड्यंत्र का शिकार नहीं होना है, हमें एकजुट रहना है। इसलिए मेरा आपसे आग्रह है- हम एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे।

## दस राज्यों की 31 विधानसभा, एक लोकसभा सीट पर उपचुनाव आज

### वायनाड में प्रियंका के खिलाफ भाजपा की नव्या, सिक्किम की 2 सीटों पर निर्विरोध चुनाव हुआ

एजेंसी

**नई दिल्ली।** झारखंड में पहले फेज की 43 सीटों के साथ ही 10 राज्यों की 31 विधानसभा और केरल की वायनाड लोकसभा सीट पर बुधवार को उपचुनाव होंगे।

सिक्किम की 2 सीटों पर 30 अक्टूबर को ही सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा के दोनों प्रत्याशियों को निर्विरोध विजयी घोषित कर दिया गया था।

वायनाड लोकसभा सीट पर उपचुनाव राहुल गांधी के इस सीट को छोड़कर रायबरेली सीट चुनने की वजह से हो रहा है। उन्होंने रायबरेली और वायनाड दो सीटों से चुनाव लड़ा था और दोनों पर जीते थे।

यहां से उनकी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा कांग्रेस प्रत्याशी हैं। कांग्रेस का राज्य में डीएफ गठबंधन है। भाजपा की ओर से नव्या हरिदास और लेफ्ट गठबंधन एलडीएफ से सत्यन मोकेरी चुनावी मैदान में हैं।

10 राज्यों की 31 विधानसभा सीटों में से 28 विधायकों के लोकसभा चुनाव में सांसद बनने, 2 के निधन और 1 के दलबदल से उपचुनाव हो रहे हैं। इनमें 4 सीटें एससी और 6 सीटें एसटी के लिए आरक्षित हैं।

31 में से 18 सीटें विपक्ष ने जीती थीं। इनमें अकेले कांग्रेस के पास 9 सीटें थीं। वहीं, एनडीए ने 11 सीटें जीती थीं। इनमें से 7 विधायक भाजपा के थे। 2 विधायक अन्य दलों के थे।

### राजस्थान : 7 सीटों पर होंगे उपचुनाव

राजस्थान में 2023 में हुए विधानसभा चुनाव के 11 महीने के भीतर ही सात सीटों पर उपचुनाव होंगे। इनमें से केवल सलूंबर सीट से अमृतलाल मीणा भाजपा विधायक थे, बाकी 4 पर कांग्रेस, एक सीट भारतीय आदिवासी पार्टी और एक हनुमान बेनीवाल की आरएलपी के पास थी। उपचुनाव के नतीजे सीधे तौर पर प्रदेश की भजनलाल सरकार की पहली परीक्षा के तौर पर भी देखे जाएंगे। हालांकि, विधानसभा चुनाव के करीब छह महीने बाद हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 25 में से 18 सीटें जीती थीं। लेकिन ये नतीजे संतोषजनक नहीं थे, क्योंकि 2019 में भाजपा ने 24 और 2014 में सभी 25 सीटें जीती थीं। वहीं, पिछले 5 सालों के उपचुनावों में कांग्रेस का पलड़ा भारी रहा है। करीब 89 प्रतिशत उपचुनावों में कांग्रेस की जीत हुई है। हालांकि, हरियाणा में जीत के बाद भाजपा का आत्मविश्वास बढ़ा है, लेकिन यदि नतीजे भाजपा के खिलाफ आए तो पार्टी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के सामने सियासी संकट खड़े होने तय हैं।

## बिना पर्यावरण मंजूरी 23 हजार खदानें हो सकेंगी संचालित

### सुप्रीम कोर्ट ने मंजूरी की समय सीमा 31 मार्च तक बढ़ाई, लेकिन आवेदन तीन सप्ताह में करना होगा

खबरों की दुनिया

**जयपुर।** सुप्रीम कोर्ट ने प्रदेश की 23 हजार खदानों को राज्यस्तरीय पर्यावरण मंजूरी जारी करने की समय सीमा को 31 मार्च 2025 तक बढ़ा दिया है। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की बैंच ने यह आदेश राज्य सरकार की अपील को स्वीकार करते हुए दिया। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया है कि प्रदेश की इन खानों को आदेश की तारीख के तीन सप्ताह के भीतर राज्य पर्यावरणीय प्राधिकरण (एसईआईएए) के यहां पर्यावरणीय मंजूरी के लिए आवेदन करना होगा। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने जिला स्तरीय पर्यावण मंजूरी प्राप्त खानों को 7 नवम्बर तक राज्य स्तर पर पर्यावरणीय मंजूरी लेने के लिए कहा था। मंजूरी नहीं मिलने पर इन खानों के बंद होने का संकट खड़ा हो गया था। इसके बाद सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की थी। 8 नवम्बर को सुप्रीम कोर्ट से सरकार को अंतरिम राहत मिल गई थी।

### सरकार ने मांगा था 12 महीने का समय

प्रदेश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दायर अपील में कहा था कि अगर यह खाने बंद हो जाती हैं। राज्य में बेरोजगारी, सामाजिक अशांति और स्थानीय अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। इससे प्रदेश में बड़े पैमाने पर निर्माण कार्य भी प्रभावित होंगे। वहीं, इन खदानों में काम करने वाले करीब 15 लाख श्रमिकों की नौकरी पर भी संकट आ जाएगा। ऐसे में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की राज्य पर्यावरणीय प्राधिकरण द्वारा आवेदनों के पुन मूल्यांकन की प्रक्रिया पूरी करने के लिए एक वर्ष का समय बढ़ाया जाए। क्योंकि एसईआईएए में सीमित ढांचा और स्टॉफ होने के कारण वह इस समय सीमा में उसे पूरा करना संभव नहीं है। प्राधिकरण द्वारा अब तक प्राप्त आवेदनों में से कुछ का ही मूल्यांकन किया गया है। ऐसे में समय सीमा बढ़ाई जानी चाहिए।

## राजस्थान हाईकोर्ट ने सरकार पर लगाया एक लाख का जुर्माना

### सीएस तलबः अदालती आदेश की 9 साल में नहीं हुई पालना, सुनवाई के दौरान सरकारी वकील भी नहीं था मौजूद

खबरों की दुनिया

**जयपुर।** सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए करीब 9 साल पहले दिए गए हाई कोर्ट के दिशा निर्देशों की पूरी तरह से पालना नहीं होने और सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से वकील और किसी अन्य प्रतिनिधि के उपस्थित नहीं होने से हाई कोर्ट नाराज हो गया।

जस्टिस अशोक कुमार जैन की अदालत ने सरकार के इस रवैए से नाराज होते हुए सरकार पर 1 लाख रुपए का जुर्माना लगा दिया। वहीं स्पष्टीकरण देने के लिए 27 नवम्बर को मुख्य सचिव सुधांश पंत को व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में हाजिर होने का आदेश दिया हैं।

कोर्ट ने सरकार को निर्देश दिए है कि एक लाख रुपए का हर्जाना राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण में जमा करवाएं।

## महिला थाने में एसीबी के छापे में मिले लाखों रुपए

### नोटों के बंडल पर लिखे थे मुकदमों के नंबर, एसएचओ के घर से भी मिला कैश

खबरों की दुनिया

**भरतपुर।** भरतपुर में महिला थाने में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) के छापे में लाखों रुपए बरामद हुए। मंगलवार शाम करीब 4.30 बजे एसीबी की टीम महिला थाने पहुंची और एसएचओ भंवर सिंह समेत सभी स्टाफ से पूछताछ शुरू कर दी। टीम रीडर के पद पर तैनात जयसिंह के कमरे में घुसी और अलमारी की चाबी लेकर उसकी तलाशी शुरू की। टीम ने शिकायतकर्ताओं की फाइलों को भी सर्च किया, जिनमें साढ़े चार लाख रुपए से ज्यादा की रकम मिली। टीम ने एसएचओ के क्वार्टर पर भी छापा मारा, जहां सवा लाख रुपए बरामद किए गए।

### फाइलों के साथ रखे थे नोटों के बंडल

एसीबी के एएसपी अमित सिंह ने बताया- एक गोपनीय सूचना मिली थी। इस पर मुख्यालय से मिले निर्देशों के अनुसार चेकिंग की गई। महिला थाना रीडर जयसिंह के कमरे में रखी अलमारी की तलाशी ली गई। उसमें फाइलों के साथ नोटों के करीब 15 बंडल रखे थे, जो कुल 4 लाख 70 हजार रुपए हैं। बंडल पर मुकदमों के नंबर भी अंकित थे। एसएचओ के घर पर भी सर्च ऑपरेशन किया। वहां से सवा लाख रुपए का कैश बरामद किया गया। एसीबी के अनुसार- परिवादियों की शिकायतें मिली थीं कि महिला थाने में शिकायतकर्ताओं से पैसे लिए जाते हैं। एसीबी की टीम ने महिला थाने में रखी शिकायतकर्ताओं की फाइलों को जब्त कर लिया। इस बारे में एसएचओ भंवर सिंह और रीडर समेत थाना स्टाफ से पूछताछ की गई।

## राजस्थान में 19 नवंबर से सर्दी तेज होने की संभावना

### माउंट आबू में पारा 10 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा

**जयपुर।** राजस्थान में में सुबह बीकानेर और आसपास के क्षेत्रों में कोहरा छाने लगा है। मंगलवार को भी कोहरे के कारण विजिबिलिटी कम रही। वहीं, श्रीगंगानगर में स्मॉग रहा। पिछले 24 घंटे में सबसे ज्यादा तापमान बाड़मेर में जबकि सबसे कम तापमान हिल स्टेशन माउंट आबू में दर्ज हुआ। वहीं, सबसे खराब एयर क्वालिटी गंगानगर में 282 रिकॉर्ड हुई। मौसम विशेषज्ञों ने बताया- 19-20 नवंबर से राज्य में सर्दी बढ़ने की संभावना है। क्योंकि 14 नवंबर से एक वेस्टर्न डिस्टर्बेंस जम्मू-कश्मीर, लद्दाख के एरिया में एक्टिव होगा। इससे वहां बारिश के साथ कुछ स्थानों पर हल्की बर्फबारी हो सकती है। इस सिस्टम प्रभाव से ही उत्तरी और मध्य भारत के राज्यों में सर्दी की शुरुआत होने की संभावना है।

### उद्धव के हेलिकॉप्टर की 2 बार तलाशी : चुनाव आयोग बोला- शाह-नड्डा की भी जांच हुई थी

## पीसीबी ने आईसीसी को लिखा पत्र पाकिस्तान क्यों नहीं आ सकता भारत

### ऑस्ट्रेलिया यहां आ चुका तो टीम इंडिया क्यों नहीं? चैंपियंस ट्रॉफी 2 महीने बाद

एजेंसी

**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने टीम इंडिया के पाकिस्तान न जाने को लेकर आईसीसी से जवाब मांगा है। क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, पीसीबी स्पोक्सपर्सन ने मंगलवार को बताया कि अगर सुरक्षा मामलों की वजह से भारत, पाकिस्तान नहीं आ रहा है तो पिछले दिनों न्यूजीलैंड, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया की टीम ने पाकिस्तान का दौरा किया है। फिर टीम इंडिया को क्यों परेशानी हो रही है।

पाकिस्तान फरवरी 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करने वाला है, लेकिन टीम इंडिया ने पाकिस्तान जाने से मना कर दिया है, जिसके बाद टूर्नामेंट को यूएई और साउथ अफ्रीका में कराने की खबरें भी आ रही हैं। पिछले साल पाकिस्तान को एशिया कप की मेजबानी भी मिली थी। भारत ने यहां भी खेलने से मना कर दिया था, जिसके बाद टीम इंडिया ने टूर्नामेंट के अपने सभी मैच श्रीलंका में खेले थे। पाकिस्तान जाने से इनकार के बाद एशियन क्रिकेट काउंसिल ने हाइब्रिड मॉडल पर ये टूर्नामेंट कराया था। पाकिस्तान से अगले साल फरवरी में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी भी छिन सकती है। भारत, पाकिस्तान जाकर यह टूर्नामेंट खेलने से इनकार कर चुका है।

## मोदी का बैग चेक करो, वहां पूंछ मत झुकाना : उद्धव ठाकरे

एजेंसी

**मुंबई।** महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और शिवसेना (उद्धव ) सुप्रीमो उद्धव ठाकरे के हेलिकॉप्टर की 24 घंटे में दूसरी बार चेकिंग हुई। उद्धव मंगलवार को उस्मानाबाद में औसा सीट पर प्रचार करने आए थे। इस दौरान चुनाव आयोग के कर्मचारियों ने उनके हेलिकॉप्टर की चेकिंग की। इससे पहले 11 नवंबर को यवतमाल के वनी एयरपोर्ट पर उनके बैग की जांच की गई थी।

चुनाव आयोग की कार्रवाई पर उद्धव ठाकरे नाराज हो गए। उन्होंने मंगलवार को कहा- पिछली बार जब पीएम मोदी के हेलिकॉप्टर की तलाशी ली गई थी, तब ओडिशा में एक अधिकारी को निलंबित कर दिया गया था। आपने मेरे बैग की जांच की, कोई बात नहीं, लेकिन मोदी और शाह के बैग की भी जांच होनी चाहिए।

उद्धव ने अधिकारियों के बैग चेक करने का वीडियो बनाया और सोशल मीडिया पर शेयर किया। उन्होंने कहा- मेरा बैग चेक कर लीजिए।

लेकिन अब मुझे मोदी के बैग चेक करते हुए भी आप लोगों का वीडियो चाहिए। वहां आप अपनी पूंछ मत झुका देना। यह वीडियो मैं रिलीज कर रहा हूं।

### उद्धव ठाकरे और जांच अधिकारी के बीच बातचीत

**उद्धवः क्या नाम है आपका?**
अधिकारीः मेरा नाम अमोल है।
**उद्धव ठाकरेः कहां के रहने वाले हैं?**
अधिकारीः अमरावती का रहने वाला हूं।
**उद्धवः अमरावती का ठीक है..लेकिन अब तक किन-किन लोगों का अपने बैग चेक किया है? मुझ से पहले किन नेताओं का बैग चेक किया?**
अधिकारीः इससे पहले किसी का नहीं किया, मुझे 4 महीने ही हुए हैं।
**उद्धव : 4 महीने में आपने एक भी बैग चेक नहीं किया। मैं ही पहला ग्राहक आपको मिला?**
अधिकारीः नहीं साहब...ऐसी कोई बात नहीं है।
**उद्धवः नहीं आप मेरा बैग चेक करिए, मैं आपको रोकूंगा नहीं। आप मेरा बैग चेक करते हुए बताओ कि क्या आपने अब तक मिंधे (एकनाथ शिंदे) का बैग चेक किया? क्या देवेंद्र फडणवीस, अजित पवार, मोदी, अमित शाह का बैग चेक किया?**
अधिकारीः अब तक मौका नहीं मिला।
**उद्धवः जब मोदी आएंगे तो उनका बैग चेक करते हुए वीडियो आप मुझे भेजिए। वहां आप अपनी पूंछ मत झुका देना। मेरा यूरिन पॉट भी चेक करिए। फ्यूल की टंकी चेक करना चाहेंगे?**
अधिकारीः नहीं साहब।

उद्धव के आरोपों पर चुनाव आयोग ने कहा- 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान सत्ताधारी दल के प्रमुख नेताओं के हेलिकॉप्टर की तलाशी ली गई थी। 24 अप्रैल, 2024 को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के हेलिकॉप्टर की तलाशी बिहार के भागलपुर जिले में और 21 अप्रैल, 2024 को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के हेलिकॉप्टर की तलाशी बिहार के कटिहार जिले में हुई थी।

स्वात्वाधिकारीः प्रकाशक एवं मुदकः पंकज गर्ग द्वारा नमस्ते राजस्थान 14/71, प्रेम भवन, चितौडवालो की हवेली के पास, इंद्रा मार्केट के सामने, शाम की सब्जी मंडी रोड, भोपालगंज, भीलवाड़ा, राजस्थान 311001 से प्रकाशित एवं डीबी कॉर्प लि. दैनिक भास्कर प्रिंटिंग प्लांट, 12 इंद्रा सर्किल, गठिलाखेडा, शारदा ड्रिम कॉलोनी के पास चितौड रोड़, भीलवाड़ा राजस्थान से मुदित। संपादकः पंकज गर्ग, कार्यालय नंबरः 01482-455184, मों. 9214417111, 8005910698, E-MAIL:namasterajasthan11@gmail.com, nrnews100@gmail.com